mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-17 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
17 जनवरी 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

मनु भाकर को पेरिस...
@ पेज 7

श्रीहरिकोटा में तीसरे प्रक्षेपण स्थल को मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में नई छलांग लगाने के लिए तैयार है। इस बीच अंतरिक्ष मिशन को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने श्रीहरिकोटा में तीसरे प्रक्षेपण स्थल की

- **भारत के अंतरिक्ष मिशन को मिलेगी नई रफ्तार**

स्थापना को मंजूरी दे दी। यह मंजूरी ऐसे समय में दी गई है जब अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण, मानवयुक्त 'गगनयान' अभियान और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की योजना पर काम चल रहा है। दरअसल, भारत की नजर वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में बड़ी हिस्सेदारी पर है और ऐसे में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में बनाया जाने वाला तीसरा प्रक्षेपण स्थल 8,000 टन की मौजूदा क्षमताओं के मुकाबले 30,000 टन वजनी अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में सक्षम होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3,985 करोड़ रुपये की लागत से तीसरा प्रक्षेपण स्थल स्थापित करने को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी, जिसे चार साल की अवधि के भीतर स्थापित करने का लक्ष्य है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अगली पीढ़ी का प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) भी विकसित कर रहा है, जिसकी ऊंचाई 91 मीटर होगी। यह 72 मीटर ऊंची कुतुब मीनार से भी ऊंचा होगा। प्रक्षेपण स्थल को अधिकतम उद्योग भागीदारी के साथ बनाया जाएगा, जिसमें पिछले प्रक्षेपण स्थल की स्थापना में इसरो के अनुभव का पूरा उपयोग किया जाएगा और मौजूदा प्रक्षेपण परिसर सुविधाओं को अधिकतम रूप से साझा किया जाएगा।

बयान में कहा गया कि तीसरे प्रक्षेपण स्थल को चार साल की अवधि के भीतर स्थापित करने का लक्ष्य है। यह परियोजना उच्च प्रक्षेपण आवृत्तियों और मानव अंतरिक्ष उड़ान तथा अंतरिक्ष अन्वेषण अभियान शुरू करने की राष्ट्रीय क्षमता को मजबूत कर भारतीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगी। आज की तारीख में, भारतीय अंतरिक्ष परिवहन प्रणालियां पूरी तरह से पहले और दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर निर्भर हैं।

30 साल बना था पहला प्रक्षेपण स्थल: पहला प्रक्षेपण स्थल 30 साल पहले पीएसएलवी अभियानों के लिए बनाया गया था और यह छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के लिए भी प्रक्षेपण सहायता प्रदान करता है। दूसरा प्रक्षेपण स्थल मुख्य रूप से जीएसएलवी और एलवीएम3 के लिए स्थापित किया गया था और यह पीएसएलवी के लिए भी विकल्प के रूप में भी कार्य करता है। बीस साल से काम कर रहे दूसरे प्रक्षेपण स्थल ने चंद्रयान-3 मिशन सहित राष्ट्रीय अभियानों के साथ-साथ पीएसएलवी/एलवीएम3 के कुछ वाणिज्यिक अभियानों को सक्षम करने की दिशा में प्रक्षेपण क्षमता में वृद्धि की है।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर 7 महीने से फंसी सुनीता विलियम्स की आठवीं स्पेसवॉक

अमेरिका (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर फंसी नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने गुरुवार को स्पेसवॉक की। वह दूसरे अंतरिक्ष यात्री निक हेग के साथ बाहर निकलीं और मरम्मत से जुड़े कुछ जरूरी काम

किए। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता सात महीने से अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर फंसी हुई हैं और वह मार्च के अंत या अप्रैल महीने की शुरुआत में धरती पर लौट सकती हैं। जून 2024 में अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर पहुंचने के बाद यह सुनीता की पहली स्पेसवॉक थी। स्टेशन कमांडर सुनीता विलियम्स पिछले साल जून के महीने में बुच विल्मोर के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पहुंची थीं। इन दोनों को एक सप्ताह के बाद वापस लौटना था। दोनों बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल के टेस्ट के लिए गए थे, लेकिन इसमें खराबी आने के बाद दोनों अंतरिक्ष यात्री स्पेस स्टेशन पर ही रुक गए और काली कैप्सूल वापस लाया गया। इसके बाद से दोनों वहीं फंसे हुए हैं। सुनीता और विल्मोर को वापस लाने के लिए जो कैप्सूल भेजा जाना था, उसमें भी देरी की गई। इस वजह से दोनों इस साल मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में ही घर लौट पाएंगे।

इजरायल ने गाजा में कहर बरपा दिया, मारे गए 72 लोग

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि युद्ध विराम समझौते की घोषणा के बाद से इजरायली हमलों में कम से कम 72 लोग मारे गए हैं। पिछले संघर्षों में, दोनों पक्षों ने अपनी ताकत दिखाने के लिए युद्ध विराम लागू होने से पहले अंतिम घंटों में सैन्य कार्रवाई तेज कर दी थी।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि बृहस्पतिवार को हमलों के बाद ये आंकड़े केवल गाजा शहर के दो अस्पतालों में लाए गए शवों की है, वास्तविक संख्या इससे अधिक है। मंत्रालय के पंजीकरण विभाग के प्रमुख जहीर अल-वहीदी ने कहा, ''कल खूनी दिन था और आज और भी खूनी है।'' इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि उनकी कैबिनेट संघर्ष विराम समझौते पर मुहर लगाने के लिए तब तक बैठक नहीं करेगी जब तक हमास 'आखिरी समय में पैदा किए गए संकट' की स्थिति को समाप्त नहीं कर देता। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रमुख मध्यस्थ कतर की ओर से इस समझौते पर पहुंचने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद नेतन्याहू ने संकेत देना शुरू कर दिया कि इस समझौते में कुछ समस्याएं हैं। बुधवार को घोषित इस समझौते से उम्मीद है कि गाजा में बंधक बनाए गए अनेक लोगों को रिहा किया जाएगा, जंग थम जाएगी।

चलती कार में पत्नी को देखा तो बोनट पर लेट गया पति

मुरादाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कार

के बोनट पर लेटा देखा जा सकता है। वहीं, कार के अंदर एक महिला और एक पुरुष बैठे हैं, लेकिन दोनों में से कोई भी बोनट पर लेटे व्यक्ति की जान के लिए चिंतित नहीं है और मजे के साथ गाड़ी चला रहे हैं। बताया जा रहा है कि कार के बोनट पर लेटे व्यक्ति ने कार के अंदर अपनी पत्नी को किसी और के साथ देखा तो गाड़ी रुकवाने के लिए उसके सामने आ गया।

गाड़ी के अंदर बैठे व्यक्ति ने जब देखा कि उसके साथ बैठी महिला का पति सामने है तो उसने गाड़ी चला दी। ऐसे में महिला का पति गाड़ी के बोनट पर ही लेट गया। लगभग पांच किलोमीटर तक कार चलती रही और महिला का पति बोनट पर लेटा रहा।

किसी तरह लोगों की मदद से लगभग पांच किलोमीटर बाद जाकर कार को रोका जा सका। इसके बाद बोनट से उतर कर युवक ने कार चालक को पकड़ा और पुलिस को सूचना दी। इस पूरे मामले की किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दी। मामला मुरादाबाद आगरा हाइवे का है। युवक बिलारी क्षेत्र का रहने वाला है। युवक की तहरीर पर पुलिस ने थाना कटघर में रिपोर्ट दर्ज कर युवक को कार सहित पकड़ लिया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा

'सड़क दुर्घटनाओं में भारत पहले नंबर पर'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए और ठेकेदारों और इंजीनियरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में भारत दुनिया में नंबर वन है।

उद्योग निकाय भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की तरह से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि दोषपूर्ण सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए और सड़क ठेकेदारों, रियायतियों और इंजीनियरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने सड़क हादसों पर गहरी चिंता भी जताई। केंद्रीय मंत्री यह भी बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का लक्ष्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को घटाकर आधा करने का है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में देश में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई,

जिसमें 1,72,000 लोगों की मौत हुई। गडकरी ने कहा कि इनमें से 66.4 प्रतिशत यानी 1,14,000 लोग 18-45 वर्ष आयु वर्ग के थे, जबकि 10,000 बच्चे थे।

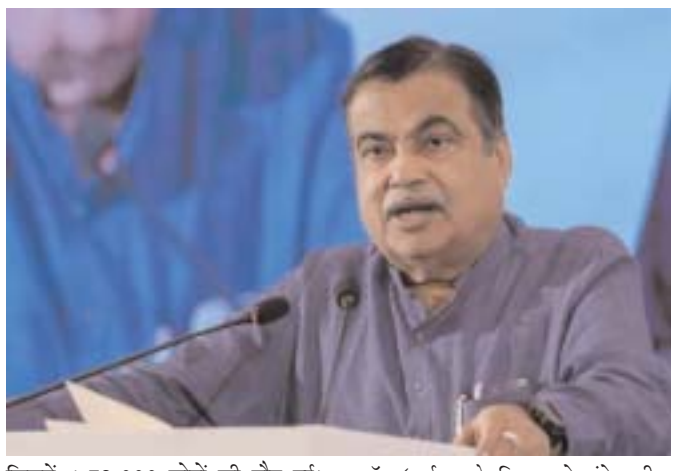

नितिन गडकरी ने बताया कि 55,000 लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण और 30,000 लोगों की मौत सीट बेल्ट न लगाने के कारण हुई। मंत्री ने यह भी कहा कि राजमार्ग मंत्रालय, राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना के लिहाज से संवेदनशील स्थान) को ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। गडकरी ने उद्योग और अन्य संबंधित इकाइयों से आग्रह किया कि वे देश में ड्राइवरों (वाहन चालकों) की भारी कमी को दूर करने के लिए प्रशिक्षण और फिटनेस केंद्र स्थापित करने के लिए सरकार के साथ साझेदारी करें।

चौथे दिन 25 लाख लोगों ने किया स्नान

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले में अब तक छह करोड़ से ज्यादा लोग डुबकी लगा चुके हैं। गुरुवार (16 जनवरी) को कुंभ मेले का चौथा दिन है और शाम पांच बजे तक 25 लाख से ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ 2025 में अब तक चार दिनों में 6.25 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। मकर संक्रांति पर त्रिवेणी संगम में करीब 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई थी। 13 जनवरी को शुरु हुआ कुंभ मेला 26 फरवरी तक चलेगा। यह मेला हर 12 साल में आयोजित होता है और डेढ़ महीने तक चलता है। प्रयागराज में महाकुंभ के अलावा नासिक, हरिद्वार और उज्जैन में भी कुंभ मेले का आयोजन होता है। इस बार का महाकुंभ खास है, क्योंकि इस दिन सूर्य, चंद्रमा, शनि और बृहस्पति के ग्रहों की शुभ स्थिति बन रही है। बताया जाता है कि यह शुभ संयोग समुद्र मंथन के दौरान बना था। इसके साथ ही महाकुंभ पर पूर्णिमा, रवि योग, भद्रावास योग भी रहेगा।

खौफनाक मंजर! पुणे में 15 गाड़ियों से जा भिड़ा बेकाबू ट्रेलर

यह दिल दहला देने वाली घटना शिकरापुर चाकन हाईवे पर घटी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक बेकाबू ट्रेलर तेज रफ्तार से करीब 12 से 15 गाड़ियों से जा भिड़ा। इस हादसे में 5 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। कई गाड़ियां ट्रेलर की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यह दिल दहला देने वाली घटना शिकरापुर चाकन हाईवे पर घटी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि हाईवे पर ट्रेलर बिना रुके सीधे गाड़ियों से भिड़ जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा आज दोपहर करीब 1 बजे हुआ। हादसे के बाद कंटेनर ट्रेलर

के रुकने के बाद इसे चलाने वाले ड्राइवर की लोगों ने जमकर पिटाई की है। इसके बाद लोगों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया जिसे अब जांच के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा की अहमियत और तेज रफ्तार से वाहन चलाने के खतरों को उजागर किया है।वहीं, आपको बता दें कि एक महीने पहले भी ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ था जब एक बेकाबू ट्रेलर तेज रफ्तार से फूड मॉल में घुस गया था। इस हादसे में एक शख्स की मौत भी हो गई थी। वहीं कई लोग घायल हुए थे। इसके अलावा कई गाड़ियां भी ट्रेलर की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हो गई थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि ट्रेलर बिना रुके सीधे फूड मॉल में घुस जाता है।

50 दिन कैंसिल रहेगी वंदे भारत ट्रेन

दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जाने वाले श्रद्धालु ध्यान दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली वंदे भारत ट्रेन को करीब डेढ़ महीने के लिए कैंसिल कर दिया गया है। उत्तर रेलवे ने दिल्ली से माता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली वंदे भारत को 50 दिन के लिए कैंसिल किया है। वंदे भारत 16 जनवरी से 6 मार्च तक दिल्ली से कटरा नहीं जाएगी।

रेलवे की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, सेमी हाई स्पीड ट्रेन 50 दिन तक सेवा में नहीं रहेगी। जम्मू तवी यार्ड के यार्ड रीमॉडलिंग के कारण ट्रेन को रद्द किया गया है। ट्रेन के रद्द होने से वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ सकती है। ट्रेन कैंसिल होने की वजह से यात्रियों को अन्य ट्रेनों और बसों का सहारा लेना पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार, भारतीय रेलवे ने राष्ट्रीय राजधानी को जम्मू-कश्मीर से जोड़ने वाली देश की दूसरी ट्रेन नई दिल्ली-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। ट्रेन संख्या (22439/22440) नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और श्री माता वैष्णो देवी कटरा के

बीच चलती है। जिसे कैंसिल किया गया है। हालांकि, श्री माता वैष्णो देवी कटरा से नई दिल्ली चलने वाली दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस (22477/22478) नियमित रूप से चलती रहेगी। बता दें कि जम्मू यार्ड में नवीनीकरण कार्य के मद्देनजर यह जम्मू रेलवे स्टेशन से रद्द की गई 65 अन्य ट्रेनों का हिस्सा है। जम्मू स्टेशन पुनर्विकास परियोजना में सिग्नल प्रणाली को नया स्वरूप देना, प्लेटफ़ॉर्म का विस्तार करना और बहुत कुछ शामिल है। नई दिल्ली-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस दिल्ली और कटरा के बीच 655 किमी की दूरी 8 घंटे और 5 मिनट में तय करती है। यह ट्रेन अंबाला छावनी, लुधियाना जंक्शन, पठानकोट छावनी और जम्मू तवी में रुकती है। इस सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन को चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ढ्ढष्टस्न) द्वारा विकसित किया गया था और 3 अक्टूबर, 2019 को इसका उद्घाटन किया गया था।

दो से ज्यादा बच्चे वाले ही लड़ सकेंगे निकाय चुनाव

आंध्र में अनोखा नियम! सीएम नायडू ने किया ऐलान; जल्द लागू होगी पॉलिसी

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में अब अनोखा नियम लागू होगाा। अभी तक जनसंख्या पर लगाम लगाने के लिए कम बच्चे पैदा करने की नीतियां अपनाई जा रही थीं। लेकिन आंध्र प्रदेश में अब ज्यादा बच्चे पैदा करने पर जोर दिया जा रहा है। खुद मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कोई व्यक्ति सरपंच, नगरपालिका का पार्षद या महापौर तभी बन सकता है, जब उसके दो से अधिक बच्चे हों। उन्होंने संकेत दिया कि इससे जनसंख्या में गिरावट को रोका जा सकेगा। नायडू ने कहा कि वह लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के संबंध में नीतियां लाएंगे। उन्होंने हाल में यहां नरवरिपल्ले में संवाददाताओं से कहा, ''एक समय था जब अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायत (चुनाव) या स्थानीय निकाय चुनाव

लड़ने की अनुमति नहीं थी। अब मैं यह कह रहा हूं कि कम बच्चों वाले व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकते। आप सरपंच, नगर पार्षद, निगम अध्यक्ष या महापौर तभी बनेंगे जब आपके दो से अधिक बच्चे होंगे।'' मुख्यमंत्री के अनुसार, उत्तर भारत लगभग 15 वर्षों में स्थिर प्रजनन दर का लाभ खो सकता है।

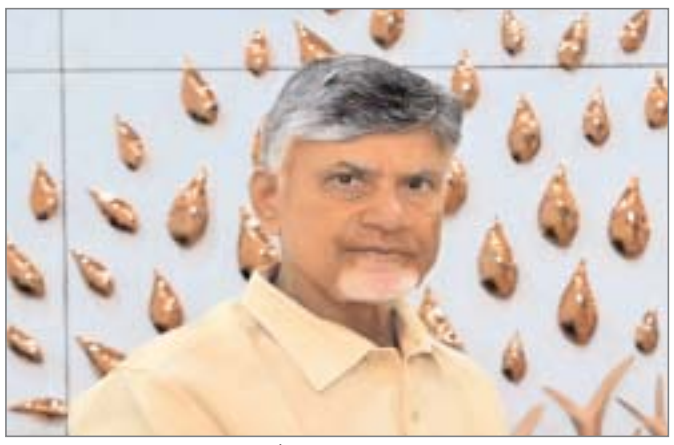

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि पुरानी पीढ़ी के लोग अधिक बच्चे पैदा करते थे, जबकि वर्तमान पीढ़ी ने इसे घटाकर एक बच्चा कर दिया है। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि आजकल कुछ 'स्मार्ट' लोग डबल इनकम नो किड्स (डीआईएनके) अवधारणा को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आपके माता-पिता ने चार से पांच बच्चे पैदा किए और आपने उन्हें घटाकर एक कर दिया। अब और भी समझदार लोग कह रहे हैं कि दोहरी आय, कोई बच्चा नहीं, हमें मौज-मस्ती करने दो। अगर उनके माता-पिता ने उनकी तरह सोचा होता, तो आप इस दुनिया में नहीं आते।''

नायडू ने कहा कि सभी देशों ने यह गलती की है और हमें सही समय पर निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि पहले अधिक बच्चे पैदा करने के महत्व पर जोर नहीं दिया गया और स्थिति अब हाथ से निकल गई है।

फूफा ने बनाया 24 साल की भतीजी का अश्लील वीडियो

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में एक 24 वर्षीय युवती ने अपने रिश्तेदार द्वारा ब्लैकमेल किए जाने के कारण आत्महत्या कर ली है। सुहासी सिंह प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर थी। पुलिस ने सुहासी सिंह के फूफा प्रवीण सिंह को अरेस्ट कर लिया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार आरोपी प्रवीण सिंह के पास सुहासी सिंह के कुछ अंतरंग वीडियो थे जिसके जरिये प्रवीण उसे ब्लैकमेल कर रहा था। पीड़िता सुहासी सिंह पिछले 6 साल से

बेंगलुरु में रह रही थी। वह अक्सर अपनी बुआ के घर जाती थी। पुलिस की स्नढ्ढक्र में ये जानकारी दी गई है कि जब सुहासी सिंह प्रवीण सिंह के घर पर रहने के लिए गई उस दौरान आरोपी प्रवीण सिंह ने धोखे से सुहासी सिंह का वीडियो बनाया और उसे ब्लैकमेल करने लग गया। 12 जनवरी को आरोपी प्रवीण सिंह ने सुहासी को राधा होटल में आने पर विवश किया। पीड़िता अपने साथ पेट्रोल लेकर वहां पहुंची और होटल परिसर में ही खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। सुहासी सिंह की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी प्रवीण सिंह को अरेस्ट कर लिया। मामले में प्रवीण सिंह की पत्नी संध्या सिंह को भी आरोपी बनाया गया है।

ऊर्जा निगम में सहायक यंत्रियों की पदपूर्ती करें- मंत्री शुक्ला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम की 193वीं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक ली। उन्होंने ऊर्जा निगम में सहायक यंत्रियों के रिक्त पदों की पूर्ति करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री शुक्ला ने सीएसआर कमेटी और कुसुम-सी योजना के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिये। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार योजना से अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित किया जाये। मंत्री श्री शुक्ला ने बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की 192वीं बैठक में दिये गये निर्देशों पर की गयी कार्यवाही का अनुमोदन किया। उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर निगम की गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, प्रबंध संचालक ऊर्जा विकास निगम श्री अमनवीर सिंह बैंस और निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने किया विशेषांक का विमोचन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने निवास कार्यालय में जनसंवेदना संस्थापक श्री राधेश्याम अग्रवाल की मासिक पत्रिका %मुक्ति की उड़ान पत्रिका का विमोचन किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने श्री अग्रवाल को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके द्वारा उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि श्री अग्रवाल पिछले दो दशकों से गरीबों, वंचितो की सेवा कर रहे हैं, उनके द्वारा लावारिश लाशों का अंतिम संस्कार, बेसहारा लड़कियों की शादी, पढाई का जिम्मा उठाना, नियमित रूप से एम्स अस्पताल में गरीबों की भोजन व्यवस्था की जा रही हैं। विमोचन के अवसर पर पत्रिका के संपादक राजेंद्र सोनी, एवं तेजेंद्र भार्गव एवं जनसंवेदना की संपादकीय टीम उपस्थित रही।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान में हुआ पीएचडी कॉलोक्वियम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल द्वारा पीएचडी स्कॉलर्स के लिये तृतीय पीएचडी कॉलोक्वियम का आयोजन किया गया। इसमें आईआईटी, आईआईएम के साथ 20 से अधिक विश्वविद्यालय के 60 से अधिक पीएचडी स्कॉलर्स ने सहभागिता की। इनमें प्रदेश, देश एवं विदेश- नेपाल तथा नाईजीरिया के स्कॉलर्स भी शामिल थे। संस्थान के संचालक श्री राजेश गुप्ता ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा बताई। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन ने पीएचडी करने और शोध में अंतर बताने के साथ यह भी कहा कि आपकी पीएचडी की मार्केट वैल्यू होना चाहिए। जब तक आप अपनी रिसर्च में डूब नहीं जाते तब तक कुछ अच्छा नहीं निकलेगा। जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी के प्रोचांसलर प्रो. पी. के. विश्वास ने बताया कि हमारी रिसर्च समाज के लिए क्या अच्छा करेगी यह महत्वपूर्ण है। हमारे देश में गुणवत्ता पूर्ण शोध की बहुत कमी है। उन्होंने संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को एक अच्छी पहल बताया।

उद्घाटन सत्र के अंत में संस्थान की प्रमुख सलाहकार डॉ. इंद्राणी बरपुजारी ने नीति विश्लेषण के विभिन्न पहलुओं के बारे में स्कॉलर्स को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से समझाया।

आधुनिक तकनीक से होगा विमुक्त, घुमंतु और अर्ध घुमंतु समुदायों का शैक्षणिक विकास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध घुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्ध घुमन्तु समुदाय के बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए सरकार लगातार नए नवाचार कर रही है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर की मौजूदगी में विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध घुमन्तु कल्याण विभाग और सशक्तिकरण सामाजिक संस्था के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि एमओयू से विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध घुमन्तु समुदायों के विद्यार्थियों को अक्षर एवं अंक ज्ञान से शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाया जावेगा। यह कार्य विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध घुमन्तु कल्याण विभाग की ओर चलाए जा रहे छात्रावासों में कमजोर अपेक्षित समुदायों के पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों को विभाग से बिना आर्थिक मदद लिये सशक्तिकरण सामाजिक संस्थान द्वारा स्वयं के मद से किया जावेगा। संस्थान की ओर से नियुक्त महिला शिक्षा साथी चिंपल ऐप की सहायता से स्केलेबल मूलभूत साक्षरता कक्षायें लेंगी। सहमति पत्र पर विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध घुमन्तु कल्याण विभाग की ओर से विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध घुमन्तु कल्याण विभाग के संचालक श्री नीरज वशिष्ठ की उपस्थिति में, उप संचालक डॉ. दीप्ति सुदीप कोटस्थाने और संस्था की ओर से सुश्री श्रुति श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए। ये कक्षाएं स्कूल समय के पश्चात लगाई जायेंगी। संस्थान ऐप के माध्यम से इन विद्यार्थियों की विषय को समझने की क्षमता की रिपोर्ट से विभाग को समय-समय पर प्रस्तुत करेगा। इसके साथ विद्यार्थियों को

बाल अधिकार एवं पॉक्सो एक्ट के संबंध में जागरूक किया जायेगा।

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्ध घुमन्तु कल्याण विभाग ने यह पहल छात्रावासों/आश्रमों में निवासरत छात्र-छात्राओं को हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में अक्षर ज्ञान एवं गणित में अंक ज्ञान की शुद्धता की दृष्टि से की है। पहले चरण में विभाग द्वारा संचालित चार छात्रावासों में प्रारंभ किया जा रहा है। इसके जरिए प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के बीच मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन - फाउंडेशनल लिट्रेसी एंड न्यूमरेसी) के साथ कौशल विकास किया जा सके।

वर्तमान में इस पहल के लिए विमुक्त, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु कल्याण विभाग के शासकीय बालक विमुक्त जाति प्री-मैट्रिक छात्रावास नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़, शासकीय विमुक्त जाति आश्रम इब्राहिमपुरा बैरसिया जिला भोपाल, विमुक्त जाति कन्या छात्रावास ओबेदुल्लागंज जिला रायसेन और विमुक्त जाति बालक छात्रावास ओबेदुल्लागंज जिला रायसेन को शामिल किया गया है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा है कि इस पहल से समाज के अंतिम छोर के व्यक्तियों एवं विद्यार्थियों का अक्षर ज्ञान से पढ़ने, लिखने और अंक ज्ञान से गणित समझने की क्षमता को विकसित किया जा सकेगा। आधुनिक तरीके से बच्चों को शिक्षा देने का ये कदम उनके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से हम शिक्षा के लोकतंत्रीकरण की ओर मजबूत कदमों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

बिजली कंपनी ने चस्पा किया संपत्ति कुर्की का नोटिस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भिण्ड वृत्त अंतर्गत बकायादार बिजली उपभोक्ताओं से बकाया बिल राशि वसूली के लिए संपत्ति कुर्क करने की कार्यवाही की जा रही है। संपत्ति कुर्क करने की कार्यवाही के चलते मेन रोड लहार जिला भिण्ड के उपभोक्ता श्री हरनारायण अग्रवाल द्वारा उनके परिसर पर कुर्की का नोटिस चस्पा करते ही बिजली बिल की बकाया राशि 2 लाख 62 हजार 428 रुपये बिजली कंपनी के खाते में तत्काल जमा करा दी है। मप्र भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 146 के तहत तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, लहार द्वारा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की मांग पर बिजली बिल जमा नहीं करने के कारण उपभोक्ता की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई का नोटिस जारी कर उपभोक्ता के परिसर पर चस्पा किया गया। उपभोक्ता श्री हरनारायण अग्रवाल ने बकाया राशि मय आदेशिका फीस के मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में जमा कराई है।

बकायादार उपभोक्ताओं से बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए बिजली कंपनी द्वारा बिजली बिल बकायादारों के हथियार लाइसेंस के साथ बैंक खाते सीज और संपत्ति कुर्की की कार्रवाई भी की जा रही है। कलेक्टर के पास लाइसेंस निरस्तीकरण के प्रस्ताव भी भेजे जा रहे हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत सभी बकायादार बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है वे उनके विरूद्ध होने वाली किसी भी अप्रिय कार्यवाही से बचने के लिए बकाया राशि एवं बिजली बिल समय पर जमा कराएं।

एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के सदस्य रघुवंशी की अध्यक्षता में बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सदस्य, एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया एवं अध्यक्ष, पशुवध गृह समिति एवं मत्स्य पशुपालन व डेयरी विभाग भारत सरकार श्री राम रघुवंशी की अध्यक्षता में शुक्रवार, 17 जनवरी 2025 को दोपहर 2.30 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में पुलिस आयुक्त भोपाल शहर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भोपाल, आयुक्त नगर पालिक निगम, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, वनमण्डलाअधिकारी वन मण्डल, उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहायक श्रमायुक्त, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास भोपाल को संबंधित जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

गेहूँ खरीदी के लिये 20 जनवरी से होगा किसानों का पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गेहूँ खरीदी के लिये किसानों का ऑनलाइन पंजीयन आगामी 20 जनवरी सोमवार से शुरू होगा। गेहूँ खरीदी के लिये 4 हजार उपार्जन केन्द्र बनाये जायेंगे। गत वर्ष 3800 उपार्जन केन्द्र बनाये गये थे। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह जानकारी केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रहलाद जोशी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दी। केन्द्रीय मंत्री श्री जोशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से गेहूँ उपार्जन की तैयारियों की राज्यवार समीक्षा कर रहे थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री जोशी ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता लायें। किसानों को गेहूँ उपार्जन

के बाद जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित करें। रजिस्ट्रेशन जल्द शुरू करें। उन्होंने कहा कि क्वालिटी कंट्रोल में जिम्मेदार लोगों की ड्यूटी लगायें।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश में इस वर्ष उपार्जन केन्द्रों पर गेहूँ की मेकेनाइज्ड क्लीनिंग के लिये मशीन लगाने का प्रस्ताव है। इससे खराब गेहूँ की खरीदी रुकेगी। उन्होंने समितियों को दिये जाने वाले कमीशन की राशि बढ़ाने की बात कही। मंत्री श्री राजपूत ने गेहूँ और चावल के द्वितीय त्रैमास के प्रावधानित अनुदान देयक एवं फोर्टिफाइड राइस आदि मदों की लंबित राशि शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

भोपाल की मंडियों में जैविक हाट के लिए मिले जगह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के हाट बाजार और मंडियों में जैविक हाट के लिए जगह देने की मांग भारतीय किसान संघ ने की है। संघ के पदाधिकारियों ने गुरुवार को एडीएम अंकुर मेश्राम को सीएम डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन भी सौंपा। उनका कहना था कि जैविक हाट खुलने से किसान और ग्राहक दोनों को ही फायदा होगा। भारतीय किसान संघ के महानगर अध्यक्ष डॉ. अश्वनी मेहर, उपाध्यक्ष एडवोकेट रुचिर तिवारी, डॉ. दिलीप सिंह राजपूत आदि ने दोपहर में कलेक्टोरेट पहुंचकर यह ज्ञापन सौंपा। इस दौरान हुजूर तहसील अध्यक्ष अखिलेश मीणा, नगर मंत्री कुबैर सिंह राजपूत, नगर कार्यालय मंत्री गजेंद्र सिंह सराठे, नगर सह मंत्री आयुष शिवहरे, मीडिया प्रभारी अविनाश द्विवेदी, आकाश राजपूत एवं अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे। एडीएम को 10 सूत्री मांग का ज्ञापन सौंपा गया। भोपाल शहर में हाट बाजारों व मंडियों में जैविक हाट के लिए स्थान दिया जाए। जिससे शहर में जैविक फल, सब्जियां, अनाज एवं अन्य जैविक खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सके। भोपाल एवं आसपास के किसान धान पराली ना जलाएं। इसके लिए सरकार धान पराली रोलर सबसिडी किसानों को प्रदान कराए।

इसी पराली को वह बंडल करके कार्टन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को दें। जिससे आय के साथ पर्यावरण संरक्षण भी हो सकेगा। बाजार में लाल और नीले जहर वाले कीटनाशक उपलब्ध ना हों। इसके लिए सख्त नियम बने। यह कीटनाशक फसल को जहरीला बनाते हैं और आनुवांशिकी पर इसका असर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में 500 रुपए प्रति हॉर्स पावर के हिसाब से 6 माह में कृषि बिल दिया जाता है। इस प्रकार की व्यवस्था शहरी क्षेत्रों में लागू की जाए।

रोड, बिल्डिंग और पुल निर्माण में गुणवत्ता पर फोकस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कल प्रदेश के सभी संभागों में लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स के लिए सड़क, भवन और पुल निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण और परियोजना प्रबंधन विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की जा रही है। विभाग के मंत्री और अफसरों का मानना है कि इस प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, नियोजन और प्रबंधन को बेहतर बनाना है, जिससे लोक निर्माण विभाग की कार्य प्रणाली और अधिक प्रभावशाली बनेगी। यह कार्यशाला विभाग के काम में पारदर्शिता लाने और पीडब्ल्यूडी इंजीनियर्स को प्रोडक्टिव तरीके से काम करने के लिए आयोजित की जा रही है। इस पहल के जरिए अभियंताओं के काम में कसावट की तैयारी की जा रही है। प्रशिक्षण का कार्य विभाग के चीफ इंजीनियर करेंगे, जिन्हें विभिन्न संभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए विभागीय इंजीनियर्स के नियमित प्रशिक्षण पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अभियंताओं की क्षमता बढ़ाने के साथ-

साथ उनकी कार्य क्षमता में भी वृद्धि करेगा।

मंत्री सिंह ने कहा कि एक विकसित प्रदेश से विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में इंजीनियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। उनका समय-समय पर प्रशिक्षण कर उन्हें नवीन निर्माण तकनीकों और समसामयिक विषयों से प्रशिक्षित करना आवश्यक है।

मंत्री सिंह ने यह भी कहा- पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर्स को गर्व होना चाहिए कि यह निर्माण हमने किया है। यह लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना को मूर्त रूप देने का सुनहरा अवसर है, जिसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पूरा किया जाना चाहिए।

एफओबी से जुड़ेगा स्टेशन, सीधे डीबी मॉल जा सकेंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के एमपी नगर में डीबी सिटी मेट्रो रेल स्टेशन से फुट ओवरब्रिज (एफओबी) जुड़ेगा। इसके बाद यात्री स्टेशन से उतरकर सीधे डीबी मॉल आ-जा सकेंगे। इस ब्रिज का स्ट्रक्चर पूरा हो गया है। जनवरी के आखिरी या फरवरी के पहले सप्ताह तक ब्रिज को स्ट्रक्चर पर रख दिया जाएगा।

डीबी सिटी स्टेशन का यह दूसरा एंट्री-एग्जिट पॉइंट होगा। जिसे स्टेशन की विपरीत दिशा में सड़क के दूसरी ओर (डीबी सिटी मॉल तरफ) बनाया जा रहा है। स्टेशन और एंट्री-एग्जिट बिल्डिंग को फुट ओवरब्रिज से जोड़ा जाएगा। मेट्रो स्टेशन जाने या इससे बाहर निकलने के लिए यात्रियों को इसी एफओबी से होकर गुजरना पड़ेगा।

यह एफओबी करीब 20 मीटर लंबा है, जो एफओबी जीजी फ्लाईओवर से डेढ़ मीटर नीचे और सड़क से करीब 7 मीटर ऊपर बनाया जा रहा है। यानी, एफओबी के ऊपर-नीचे से गाड़ियां गुजरेंगी। मेट्रो स्टेशन की एंट्री-एग्जिट बनाने के लिए सुभाष नगर और रानी कमलापति स्टेशन पर भी इस तरह के एफओबी बनाए जा रहे हैं, लेकिन डीबी सिटी मॉल स्टेशन पर

एक बड़ी तकनीकी परेशानी जीजी फ्लाईओवर भी थी।

यह एफओबी मौके पर ही असेंबल किया जा रहा है। ताकि, बड़ी क्रेन की मदद से इसे सीमेंट के स्ट्रक्चर पर रखा जा सके। इससे ब्रिज को यहां लाने के लिए मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी।

रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) रेलवे की एक संस्था है। इसका मुख्यालय लखनऊ (उप्र) में है। किसी भी शहर में मेट्रो चलाने से पहले कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी टीम निरीक्षण करती है। यह आरडीएसओ की रिपोर्ट देखती है। आरडीएसओ टीम जल्द ही भोपाल आ सकती है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू में मैं भी बाघ'' और हम हैं बदलाव'' थीम पर अनुभूति कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग द्वारा स्कूली विद्यार्थियों को वन, वन्य-जीव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिये गुरुवार को अनुभूति कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के समन्वय से मैं भी बाघ'' और हम हैं बदलाव'' थीम पर शिविर आयोजित हुआ। इसमें शासकीय नवीन कन्या विद्यालय, तुलसी नगर, भोपाल की 99 छात्राओं, 3 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की।

शिविर में शामिल हुई छात्राओं को अनुभूति बुक, अनुभूति बैग, कैप, ब्रोशर दिये गये। जलीय पक्षी, स्थलीय पक्षी, तितली प्रजाति और गिद्ध कुंजी के ब्रोशर भी दिये गये। छात्राओं को मास्टर ट्रेनर एवं नवीन प्रेरकों द्वारा पक्षी दर्शन, वन्य-जीव दर्शन, प्रकृति पथ-भ्रमण और वानिकीय गतिविधियों के साथ फूड चैन की जानकारी दी गयी। छात्राओं ने फूड बैग, फूड चैन जैसे खेलों से वन, वन्य-जीव और पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों से अवगत कराया। शिविर में छात्राओं को बाघ पर आधारित फिल्म दिखायी गयी। फिल्म के माध्यम से बताया गया कि बाघ हमारे जीवन में कितने महत्वपूर्ण हैं।

शिविर में छात्राओं को वन विहार में उपलब्ध रेस्क्यू वाहन के माध्यम से रेस्क्यू टीम द्वारा वन्य-जीवों को रेस्क्यू करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। अनुभूति कार्यक्रम के ट्रेनर के रूप में सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक डॉ. एस.आर. वाघमारे और वन विहार के बॉयोलॉजिस्ट श्री विजय बाबू नंदवंशी ने छात्राओं को वन एवं वन्य-जीव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अनुभूति कार्यक्रम में शामिल छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति शपथ दिलायी गयी। पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

जनवरी माह में ही 23 तारीख को अगला अनुभूति'' कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर वन विहार के संचालक श्री मीना अवधेश कुमार शिवकुमार, सहायक संचालक श्री सुनील कुमार सिन्हा, एसीएफ श्री संदीप महेश्वरी और मध्यप्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के अधिकारी भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन में मध्यप्रदेश बना बैस्ट परफॉर्मिंग स्टेट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत उद्यमिता विकास कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग को उत्कृष्ट कार्य के लिए बैस्ट परफॉर्मिंग स्टेट का पुरस्कार प्रदान किया गया है। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने इस उपलब्धि के लिए सभी संबंधितों को बधाई दी और आशा व्यक्ति की है कि भविष्य में भी योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अव्वल रहेगा।

केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित एक दिवसीय उद्यमिता विकास कॉन्क्लेव में यह पुरस्कार मध्यप्रदेश के दल को प्रदान किया। प्रदेश से योजना के नोडल अधिकारी डॉ. भगवान मधनानी, डॉ. शिवदत्त श्रीवास्तव और डॉ. प्रखर भार्गव, उप संचालक ने पुरस्कार प्राप्त किया। केन्द्रीय सचिव, पशुपालन एवं डेयरी श्रीमती अल्का उपाध्याय,

पशुपालन आयुक्त डॉ अभीजीत मिश्रा तथा डॉ. पी.एस. पटेल संचालक पशुपालन एवं डेयरी द्वारा भी इस उपलब्धि के लिए प्रदेश के अधिकारियों को बधाई दी गई है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन उद्यमिता विकास कार्यक्रम अंतर्गत मध्यप्रदेश में अभी तक 4800 से अधिक आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से 530 प्रकरणों में राशि 387.23 करोड़ रूपये बैंकों से स्वीकृत होकर केन्द्र सरकार द्वारा 450 प्रकरणों में 155.36 करोड़ रूपये स्वीकृत किये जा चुके हैं। स्वीकृत प्रकरणों में लगभग 250 उद्यमियों को प्रथम किश्त और 32 को द्वितीय किश्त की अनुदान राशि स्वीकृत होकर प्राप्त हो चुकी है जो राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक है।

कॉनक्लेव में पशुपालन के क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देने और केन्द्रीय उद्यमिता विकास योजनाओं राष्ट्रीय पशुधन मिशन-उद्यमिता विकास कार्यक्रम और पशुपालन अधोसंरचना विकास निधि अंतर्गत लाभांवित उद्यमियों में से उत्कृष्ट कार्य करने वाली इकाईयों को भी पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत उद्यमिता विकास कार्यकम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मध्यप्रदेश के जीत सिंह सिसोदिया (भोपाल) तथा नवनीत जैन (हरदा) को चारा उत्पादन हेतु, श्रीमती शोभा दांगी (राजगढ़) तथा निमिश चावड़ा (शाजापुर) को बकरी पालन तथा श्री यशपाल खन्ना (कटनी) को मुर्गी पालन अंतर्गत उत्कृष्ट उद्यमी के रूप में सम्मानित किया गया। इसी तरह पशुपालन अधोसंरचना विकास निधि अंतर्गत धार जिले की बदनावर तहसील में स्थापित एबिस एक्सपोर्ट इंडिया प्रा.लि. को पशु आहार केटेगरी में सराहनीय कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया। इंदौर जिले की सांवेर तहसील में स्थापित बेकरविले स्पेशलिटिस प्रा.लि. को दुग्ध प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन केटेगरी में उत्कृष्ट कार्य के लिये सम्मानित किया गया। इन दोनों इकाईयों की ऑनलाइन लॉन्चिंग भी केंद्रीय पशुपालन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह द्वारा कार्यकम स्थल से की गई।

सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत

हाईवा ने बाइक को मारी टक्कर, गंभीर हालत में बेटा रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई। पत्नी की मौके पर मौत हुई, जबकि पति ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं 8 वर्षीय बेटे को रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। हादसा कल सुबह करीब 10 बजे तिनगुड़ी पुलिस चौकी क्षेत्र के पुरानी देवसर चटुआ नाला के पास हुआ। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। मौके पर पुलिस ने लोगों को समझाइश दी। तब जाकर नाराज लोगों ने चक्का जाम खत्म किया।

पुलिस के अनुसार, रामबली साहू (45) अपनी पत्नी अंजू साहू (30) और बेटे अशोक (8) के साथ मोटरसाइकिल पर पुरैल स्थित अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान हाईवा (सीजी15ईई4696) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अंजू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रामबली और अशोक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हाईवा भी पलट गया।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और उन्होंने चक्काजाम कर दिया। मृतक के परिजनों ने वाहन मालिक पर साजिश के तहत कुचलकर हत्या करने का आरोप लगाया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एसडीओपी देवसर समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस की समझाइश के बाद रात करीब 12 बजे स्थिति सामान्य हुई और चक्काजाम खत्म हुआ।

जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 18 को

सिंगरौली के 7 केंद्रों में होगी कक्षा 6 की परीक्षा, सुबह 11 बजे तक पहुंचना जरूरी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जवाहर नवोदय विद्यालय, सिंगरौली में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा छठी की प्रवेश परीक्षा 18 जनवरी को होगी। प्राचार्य डॉ. बी.एस. गुप्ता ने बताया कि परीक्षा जिले के तीनों विकासखंडों में कुल सात केंद्रों पर होगी।

चितरंगी विकासखंड में परीक्षा दो स्थानों - शासकीय हायर सेकंडरी उत्कृष्ट विद्यालय और कन्या हायर सेकंडरी उत्कृष्ट विद्यालय में होगी।

देवसर विकासखंड में सीएम राइजिंग हाई स्कूल बरगवां और कन्या हायर सेकंडरी विद्यालय देवसर परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

बैढ़न में शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल और शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकंडरी स्कूल में परीक्षा होगी। इसके अतिरिक्त विंध्य नगर क्षेत्र में शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल में भी परीक्षा होगी।

प्राचार्य गुप्ता ने सभी परीक्षार्थियों को निर्देश दिया है कि वे परीक्षा के दिन सुबह 11 बजे से पहले अपने परीक्षा केंद्र पहुंच जाएं।

वीरेन्द्र-राजेन्द्र के भाजपा जिलाध्यक्ष बनने पर मोर्चा में खुशी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी जिला रीवा के नवनियुक्त अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता एवं मऊगंज के दूसरी वार नियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ.राजेन्द्र मिश्रा को गरीब बचाओ संघर्ष मोर्चा जिला रीवा के संरक्षक नागेन्द्र सिंह कल्चुरी, सालिगराम साकेत, शिवनाथ यादव, राजकुमार कोल, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र वर्मा, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष रामविश्वास प्रजापति, गीता कोल, ममता कोल, शांती कोल, मोतीलाल साकेत, रामजी साकेत, देवराज कोल, पप्पू आदिवासी, राजेन्द्र बुनकर, सूरज कोरी, सियावती साकेत ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी हैं।

स्वामित्व योजना का केन्द्र स्तरीय कार्यक्रम 18 को

पात्र हितग्राहियों को भूमिस्वामी अधिकार अभिलेख का होगा वितरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर ने जानकारी देकर बताया हैं कि भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा स्वामित्व योजना का केन्द्र स्तरीय कार्यक्रम 18 जनवरी को आयोजित हैं, इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री जी द्वारा विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सम्पूर्ण देश से चयनित स्वामित्व योजना के लाभार्थियों से बात करेंगे, साथ ही इलेक्ट्रानिक माध्यम अधिकार अभिलेख का वितरण किया जाना हैं। उक्त योजना के अंतर्गत सभी तहसीलों में पात्र हितग्राहियों को भूमिस्वामी अधिकार अभिलेख का वितरण सांसद, विधायक, जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में समारोहपूर्वक किया जाना हैं।

उन्होने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी, समस्त उपखण्ड अधिकारी एवं समस्त तहसीलदार को निर्देशित किया है कि उक्त कार्यक्रम जिला स्तर एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किया जाना है, कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय स्तरीय कार्यक्रम का वेबकास्ट कराना सुनिश्चित करें। साथ ही जिला स्तरीय कार्यक्रम का लाइव वेबकास्ट भी केन्द्रीय स्तरीय कार्यक्रम में प्रदर्शित किया जावेगा।

स्वामित्व योजना अंतर्गत 12 मार्च 2024 के उपरांत निराकृत प्रकरणों में पात्र हितग्राहियों को वितरित किये जाने वाले अधिकार अभिलेख भू-लेख पोर्टल पर तहसीलदार लोगिन में उपलब्ध कराए गये हैं। अधिकार अभिलेख की प्रतियां डाउनलोड कर हितग्राहियों को रंगीन प्रति वितरित करना सुनिश्चित किया जाए।

सीईओ जिला पंचायत ने कुसमी में की नलजल योजना की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा बुधवार को जनपद पंचायत कुसमी अंतर्गत चयनित सिंगल विलेज नल जल योजना के तहत करैल भुईमाड़, केसलार गैवता आदि पंचायत के नल जल योजना की समीक्षा की गई। उन्होंने पंचायत के सचिवों को निर्देशित किया है कि जब तक हर-घर में नल कनेक्शन व पानी की सप्लाई न पहुंचने लगे तब तक कोई भी पंचायत नल जल योजना का हैंडओवर नहीं लेगी।

जनपद में समीक्षा उपरांत जिला पंचायत सीईओ द्वारा अमृत सरोवर के लिए चयनित तालाबों के स्थल निरीक्षण हेतु रौहाल, आमगांव थाड़ीपत्थर गुदुआधार एवं टमसार में ड्रेनेज लाइन के माध्यम से स्थल पर ही मैप के द्वारा साइट चयन करना सिखाया गया। साथ ही वाटरशेड के द्वारा चयनित थाड़ीपत्थर एवं गुदुआधार में स्थल परिवर्तन करने के निर्देश दिए गए।

भ्रमण के दौरान जनपद पंचायत कुसमी के सीईओ ज्ञानेंद्र मिश्रा, जिला परियोजना अधिकारी दीपक अहिरवार, जनपद के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अजय द्विवेदी, वाटरशेड की टीम, एनआरएलएम की टीम तथा पंचायत के सरपंच, सचिव तथा रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

वृद्ध बंदियों को गर्म कपड़े का किया गया वितरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा जिला प्रशासन जनभागीदारी से नई पहल करते हुए जिला जेल सीधी में परिरूद्ध 25 वृ बंदियों को गर्म कपड़े (इनर, टोपी, मोजे) का वितरण किया गया। साथ ही जिला जेल सीधी के भ्रमण के दौरान प्रति गुरूवार जेल में किये जा रहे श्रीमद्भागवत गीता पाठ एवं साफसफाई, पाठशाला व्यवस्था को बेहतर किये जाने एवं परिरूद्ध बंदियों को जीवन में सुधार लाये जाने की समझाइस दी गयी।

एमपी के शहडोल में 32 हजार करोड़ का होगा निवेश

सीएम ने 15 उद्योगपतियों से की वन टू वन, कहा- 31 हजार को रोजगार भी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में 7वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 32 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे 31 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने यहां 15 उद्योगपतियों से वन टू वन बात की। उन्होंने बताया कि यहां 102 इकाइयों को 402 हेक्टेयर जमीन दी गई।

सीएम ने कहा कि यहां ऊर्जा, खनिज, पर्यटन समेत अन्य क्षेत्र में निवेश के प्रस्ताव मिले। यह हमारी सातवीं कॉन्क्लेव है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा 2 से 5 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट आए तो बहुत है, लेकिन यहां इतना ज्यादा आया है। साडा और टीएमटी ग्रुप, पतंजलि, रिलायंस, बिड़ला समेत अन्य उद्योगपति रुचि दिखा रहे हैं।

शहडोल में बनेगी रिंग रोड, अनूपपुर में बायपास: सीएम ने कहा कि अभी तक की इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में करीब 4 लाख करोड़ को निवेश मिल चुका है। प्रदेश सरकार होटल, स्कूल, यूनिवर्सिटी और अस्पताल सभी के लिए सब्सिडी दे रही हैं। सीएम ने इंजीनियरिंग कॉलेज में दूसरे कोर्स और शहडोल में रिंग रोड बनाने की घोषणा की। उन्होंने अनूपपुर में बायपास रोड बनाने का भी ऐलान किया।

प्रमुख सचिव ने कहा- यहां निवेश के लिए पॉलिसी बहुत अच्छी: प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह ने कहा- मध्यप्रदेश की कई विशेषताएं हैं। यहां निवेश से संबंधित सभी सेक्टर्स की पॉलिसी बहुत अच्छी है। साइबर तहसील का भी फायदा उद्योगों को मिलता है। डीम्ड अप्रूवल की सुविधा हम मध्यप्रदेश में दे रहे हैं। जन विश्वास बिल लाने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य बना है।

छतरपुर में 8 डिग्री पर पहुंचा पारा

घने कोहरे से विजिबिलिटी 300 मीटर पर सीमित, हल्की बारिश की भी संभावना

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में गुरुवार को भीषण ठंड जारी है। सुबह 6 बजे से छाए कोहरे ने दृश्यता को 300 मीटर तक सीमित कर दिया। 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही सर्द हवाओं ने ठंड को और बढ़ा दिया। सुबह 9 बजे तापमान 13 डिग्री तक पहुंचा और आसमान में काले बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने 5 प्रतिशत बारिश की संभावना जताई है, साथ ही दोपहर में धुंधली धूप निकलने की संभावना है।

शीत लहर का असर खेतों में भी देखा गया, जहां फसलों के पत्तों पर पानी की बूंदें जम गईं। कड़ाके की ठंड के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। लोगों ने ठंड से बचने के लिए जगह-जगह अलाव जलाए।

राहत की बात यह है कि मौसम विभाग के अनुसार अगले 6 दिनों तक मौसम साफ रहने की संभावना है, हालांकि ठंड का प्रकोप जारी रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हैण्डपम्प पाकर फूलबाई बैगा के खुशी का ठिकाना न रहा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सुशासन सप्ताह के दौरान जिले में प्रशासन गांव की ओर अभियान का संचालन किया गया। अभियान के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा जिले के दूरस्थ ग्राम पंचायत केशलार के ग्राम घोरबँधा में प्रधानमंत्री जनमन के हितग्राहियों के बीच बैगा बस्ती में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। चौपाल के दौरान वहां के स्थनीय बैगा जनजाति के निवासियों के बीच पेयजल की समस्या से अवगत कराया गया। समस्या को बड़ी संवेदनशीलता से लेते हुए सीईओ जिला पंचायत द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को तत्काल एक हैण्डपम्प उत्खनन का निर्देश दिया गया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए विभाग द्वारा बैगा बस्ती के बीच हैण्डपम्प का उतखनन किया गया। हैण्डपम्प उत्खनन से ग्रामीण जनों में उत्साह का माहौल है और स्थानीय निवासी फूलबाई बैगा, हीरालाल बैगा, दलबीर बैगा आदि ने संवेदनशील पहल के लिए शासन प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

अधिकारी/कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश अधिकारी/कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला रीवा के अध्यक्ष आशीष द्विवेदी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि सभी मान्यता प्राप्त एवं गैरमान्यता प्राप्त संगठनों ने संयुक्त रूप से कर्मचारी हितार्थ 51 बिन्दुओं का मांग पत्र के प्रथम चरण के तहत संयुक्त मोर्चा अधिकारी/कर्मचारी संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष एम.पी.द्विवेदी के नेतृत्व में कलेक्टर जिला रीवा के माध्यम से से प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को सम्बोधित सौंपा गया। प्रतिनिधि मण्डल में सभी संगठनो के जिलाध्यक्ष एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मांग पत्र में मांग की गई है कि अधिकारियों/कर्मचारियों की वर्ष 2016 से बंद पदोन्नति को बहाल किया जाकर पात्रता दिनांक से पदोन्नति की जाय, विभागाध्यक्ष एवं उनके अधीनस्थ लिपिकों को मंत्रालय के समान समयमान वेतन का लाभ 1-4-06 से दिया जाय, गृह भाड़ा भत्ता एवं अन्य भत्तों को सतवें वेतनमान से शामिल किया जाय, भृत्य का नाम परिवर्तित किया जाकर कार्यालय सहायक किया जाय साथ ही ग्रेड-पे 1300 के स्थान पर 1800 किया जैसे अनेकों बिन्दु मांग पत्र में शामिल हैं। इस अवसर पर कार्यवाहक प्रान्तीय अध्यक्ष संतोष तिवारी, आर.पी.शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष दर्शना वांकड़े, नागेश पाण्डेय,, के.सी.त्रिपाठी, जगदीश यादव, आशुतोष तिवारी, विमलेश तिवारी, विपिन पाण्डेय, धर्मेन्द्र पटेल, शिवेन्द्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष पटवारी संघ, नेपाल सिंह, सुभाष शर्मा, धर्मपाल पटेल, संतोष पाण्डेय, सोनू दहायत, प्रमोद मिश्रा, वृजेश सिंह, मनोरंजन यादव, अनुज पाण्डेय, रामसुशील तिवारी, राहुल चतुर्वेदी, संजीव वर्मा, अखिलेश तिवारी, शैलेन्द्र पाण्डेय, रामराज शुक्ला, शत्रुघन शर्मा, अशोक शर्मा, सुरेश द्विवेदी, अर्चना मिश्रा, मो.फ्तेह खांन, सुरेन्द्र शर्मा, हीरामणि तिवारी, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, अजय रघुवंशी, सुरेश पाण्डेय, वेद प्रकाश त्रिपाठी आदि सैकड़ो कर्मचारी साथियों ने भाग लिया।

आम सूचना

मैं मानस कुमार तिवारी पिता श्री जागृति प्रसाद तिवारी निवासी ग्राम जिरौहाँ पो0 कोटा, थाना पनवार तहसील जवा जिला-रीवा (म0प्र0) हालनिवास मकान नं. 1729 कैलाशपुरी अनन्तपुर रीवा, तहसील हुजूर नगर रीवा, जिला-रीवा (म0प्र0) का निवासी हूँ। प्रार्थी ने वर्ष 2012 में आराजी क्र. 430/8 रकवा 0.016 हे. स्थित मौजा अनन्तपुर, पटवारी हल्का बोदा, ज.नं. 28 तहसील हुजूर जिला-रीवा (म0प्र0) को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र दिनांक 20.11.2012 ग्रन्थ नं. 8888 फो.-05 पेज-22 से 26 सीरियल नं. 7109 से क्रय किया था। प्रार्थी द्वारा विक्रेता श्रीमती प्रतिमा मिश्रा पति श्री ब्रह्मदेव मिश्रा निवासी अनन्तपुर रीवा, जिला-रीवा से विक्रेता की मूल विक्रय पत्र दिनांक 19.04.2011 ग्रन्थ नं. 7964 पेज 67 से 71 सीरियल नं. 447 जो उप पंजीयक कार्यालय रीवा में पंजीकृत है एवं मूल ऋण पुस्तिका प्राप्त कर लिया था। उक्त मूल लिंक विक्रय पत्र एवं ऋण पुस्तिका दिनाक 09.01.2025 को समय लगभग 12.00 बजे दोपहर में अपने घर कैलाशुपरी अनन्तपुर के सामने से सिरमौर चौराहा फोटोकॉपी कराने जा रहा था, उसी बीच उक्त विक्रय पत्र एवं ऋण पुस्तिका कहीं गुम हो गयी, जो काफी तलाश किया, किन्तु मुझे नहीं मिली। मैं भारतीय स्टेट बैंक जी.ई.सी. शाखा से आवासीय लोन प्राप्त करना चाहता हूँ। यदि किसी वित्तीय शाखा/बैंक या किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अपना आपत्ति प्रमाण-पत्र सहित 15 दिवस के अंदर भारतीय स्टेट बैंक जी.ई.सी. शाखा रीवा में दर्ज कर सकते हैं, इसके बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवदीय
मानस कुमार तिवारी

संयुक्त मोर्चा व शिवसेना कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया, समान वेतन और अनुकंपा नियुक्ति की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कर्मचारियों की वेतन विसंगति और अन्य मांगों को लेकर गुरुवार शाम को अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने प्रदर्शन किया। मोर्चा के सदस्यों ने कलेक्टर कार्यालय के सामने नारेबाजी की और कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर सोमवंशी ने कर्मचारियों की मांगों पर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

जिलाध्यक्ष चित्रसेन गौतम के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में संयुक्त मोर्चा के संरक्षक रामसखा गौतम ने बताया कि शासन के कई विभागों में कर्मचारियों को समान कार्य के लिए अलग-अलग वेतन दिया जा रहा है। कुछ कर्मचारियों को अभी भी दैनिक वेतन भोगी के रूप में रखा गया है। उन्होंने बताया कि कई विभागों में अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान नहीं है, जिससे कर्मचारी की मृत्यु के बाद उनके परिवार को आर्थिक सहायता नहीं मिल पाती। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा- सभी जायज मांगों पर कार्रवाई की जाएगी। कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

अवैध वसूली और जमीन हड़पने की शिकायत पर कार्रवाई की मांग: शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडेय के नेतृत्व में सैकड़ों शिवसैनिक ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर स्वरोंचिष सोमवंशी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान शिवसैनिकों ने कहा- जिले में भू-माफिया और पटवारियों की मिलीभगत से आम जनता को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पटवारी अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को भूलकर अवैध प्रॉपर्टी डीलिंग में लिप्त हैं और नामांतरण और सीमांकन जैसे कामों के नाम पर गरीब जनता से अवैध वसूली कर रहे हैं।

एक जमीन की कई रजिस्ट्री: ज्ञापन में गंभीर आरोप लगाए गए हैं, कि एक ही जमीन की कई बार रजिस्ट्री कराई जा रही है। जिसमें रजिस्ट्रार कार्यालय की भी मिलीभगत है। इस भ्रष्टाचार के कारण कई किसान और मजदूर आत्महत्या तक करने को मजबूर हुए हैं। साथ ही, अवैध प्लाटिंग का कार्य भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

शिवसेना ने इन समस्याओं के समाधान और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संगठन का कहना है कि अगर समय रहते इन गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई, तो आम जनता को और अधिक नुकसान होगा।

विचार

कलह की छेद से परेशान इंडिया

भारत में गठबंधन की सरकार की बात करना कोई नई नहीं है। लेकिन भाजपा के खिलाफ खासकर मोदी सरकार के खिलाफ जिस तरह से गठबंधन की नाव बन रही है। नाव के नदी में जाने से छेद होती दिख रही है। बहरहाल पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के बीच फूट और अब उद्धव ठाकरे द्वारा अकेले बीएमसी चुनाव लड़ने की घोषणा ने इंडिया गठबंधन में बड़ी दरार पैदा कर दी है। गठबंधन से जुड़े चार प्रमुख नेताओं के क्रियाकलापों ने या तो इसके टूटने के या इसे पूरी तरह खत्म हो जाने के संकेत दिए हैं।

वैसे राजनीति के बारे में तय कुछ भी करना कठिन हो सकता है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ़ लोकसभा चुनाव के लिए बनाया गया था। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी कुछ ऐसी ही बात कही। हालांकि, कुछ पार्टियों को अभी भी गठबंधन के भविष्य को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतज़ार है। जुलाई 2023 में बेंगलुरु में उक्त गठबंधन की नींव रखी गई थी, जिसमें 26 पार्टियां गठबंधन में शामिल हुई थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान, गठबंधन ने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए को चुनौती दी गई थी। नतीजतन, भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं रही। चुनाव में एनडीए ने 296 सीटें जीतीं, जबकि इंडिया गठबंधन ने 230 सीटें हासिल कीं। गठबंधन ने इसे अपनी जीत माना। हालांकि, लोकसभा चुनाव के ठीक आठ महीने बाद, गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया है, बस आधिकारिक घोषणा बाकी है। इस विभाजन के लिए राजनीति के जानकार चार प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं।

आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी के मुताबिक, हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद गठबंधन में दरार दिखने लगी थी। कांग्रेस ने अपने अड़ियल रवैये के कारण हरियाणा में एक जीतने लायक चुनाव गंवा दिया, जो गठबंधन के प्रति उसके रवैये तक फैल गया। इससे सहयोगी दल सतर्क हो गए और गठबंधन के भीतर नए नेतृत्व की मांग उठने लगी। हरियाणा चुनाव नतीजों के एक दिन बाद अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। प्रस्तावित 10 सीटों में से दो सीटें कांग्रेस को देने पर सहमति बनी। हालांकि, अखिलेश ने कांग्रेस को सीटें देने से इनकार कर दिया। जबकि, गठबंधन के एक नेता ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस अति आत्मविश्वास में आ गई है।

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

ललित गर्ग

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है।

बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये।

2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं।

विशेषत: पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आतंकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने।

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को?शांत कर लिया है।

यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेश?सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है।

बांग्लादेश बाड़ लगाने के समझौते का सम्मान करने के बजाय उसकी समीक्षा करने की बात करके उसमें रौड़ा अटकाना चाह रहा है। वह उन स्थानों पर कंटीले तारों वाली बाड़ लगाने का खास तौर पर विरोध कर रहा है, जहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ और तस्करी होती है और यही से आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने की संभावनाएं हैं।

इसके कुछ पुष्ट प्रमाण भी मिले है। इस संदर्भ में बांग्लादेश वैसे ही कुतर्क एवं बेतूके तथ्य प्रस्तुत कर रहा है, जैसे सीमा सुरक्षा के भारत के प्रयत्नों पर पाकिस्तान करता रहता है। हैरानी नहीं कि यह बांग्लादेश से पाकिस्तान की हालिया नजदीकी किसी बड़ी दुर्घटना या आतंकी हमले का सबब बन जाये। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। भारत को यह देखना होगा कि कहीं ये दोनों देश मिलकर उसके खिलाफ कोई ताना-बाना तो नहीं बुन रहे हैं? निश्चित रूप से पिछले दिनों बांग्लादेश से रिश्तों में जिस तरह से अविश्वास एवं कडवाहट उपजी है, उसके चलते भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

शार्टकट और कॉपी पेस्ट की जकड़न में आज की जेनरेशन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है।

आज की जेनरेशन शार्टकट और कॉपी पेस्ट से आगे नहीं निकल पा रही है। इंटरनेट, मोबाइल, कम्प्यूटर और सोशियल मीडिया ने नई जेनरेशन को सीमित दायरे में कैद करके रख दिया है। नई पीढ़ी में से अधिकांश युवा कुछ नया करने, नया सोचने, नई दिशा खोजने के स्थान पर गूगल गुरु या इसी तरह के खोजी एप के सहारे आगे बढ़ने लगी है। तकनीक का विकास इस तरह से सोच और समझ को सीमित दायरें में लाने का काम करेगी यह तो सोचा ही नहीं था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तो इससे भी एक कदम आगे निकल गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक सहायक की भूमिका में हो तो वह आगे बढ़ने में सहायक हो सकती है पर तकनीक का जिस तरह से उपयोग होने लगा है वह ज्ञान और समझ को थुथला करने में ही सहायक सिद्ध हो रही है। यही कारण है कि आज की पीढ़ी से कोई भी सवाल करों वह उसका उत्तर गूगल गुरु या इसी तरह के प्लेटफार्म का सहारा लेकर तत्काल दे देंगे। हांलाकि सूचनाओं का संजाल जिस तरह से इंटरनेट प्लेटफार्म पर उपलब्ध है निश्चित रुप से वह आगे बढ़ाने में सहायक है पर आज की पीढ़ी उसी तक सीमित रहने में विश्वास करने लगी है। जिस तरह से एक समय परीक्षाएं पास करने के लिए वन डे सीरिज का दौर चला था ठीक उसी तरह से किसी भी समस्या का हल, किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट को खंगालना आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में एक नहीं अनेक लिंक मिल जाते हैं और कई बार तो समस्या यहां तक हो जाती है कि इसमें कौनसा लिंक अधिक सटीक है। दर असल इस तरह की जानकारी से तर्क क्षमता के विकास या विश्लेषक की भूमिका नगन्य हो जाती है। समझ में यह भी आ जाता है कि नेट पर इतनी जानकारी है तो फिर किताबों के पन्ने पलटने से क्या लाभ? इसका एक दुष्परिणाम किताबों से दूरी को लेकर साफ साफ देखा जा सकता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि इंटरनेट, कम्प्यूटर और मोबाइल ने आज की पीढ़ी को शार्टकट की जिंदगी जीना सिखा दिया है। आज का युवा कट पेस्ट के सहारे अपना काम चला रहा है। कोई जानकारी लेनी है तो सीधा गूगल गुरु की शरण में जाता है और एक ही प्रश्न से संबंधित सामग्री के अनेक स्त्रोत देख कर वह अपनी सुविधा के अनुसार जो उसे सही लगता है कट किया और उसके बाद पेस्ट करके अपना काम पूरा कर लेता है। यह सब चिंतनीय इसलिए है कि सालाना माड्यूलर सर्वेक्षण 2024 में यह सामने आया है कि डेटा, सूचना, दस्तावेजों आदि के लिए इंटरनेट की शरण में चले जाते हैं और वहां पर जो मिलता है उसी को पेस्ट कर इतिश्री कर लिया जाता है। सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार देश में उत्तराखण्ड के युवा सबसे आगे हैं और उत्तराखण्ड के करीब 66 फीसदी युवा कॉपी पेस्ट के सहारे काम चला रहे हैं। उत्तराखण्ड के पीछे पीछे ही बिहार के युवा हैं और बिहार के 60 प्रतिशत युवा कट पेस्ट के सहारे ही काम चला रहे हैं। उत्तरप्रदेश के युवाओं के हालात भी कमोबेस

यही है और उत्तरप्रदेश के 56 फीसदी युवा कट पेस्ट का सहारा ले रहे हैं। कमोबेस यह हालात भारत ही नहीं आज की तारीख में दुनिया के अधिकांश देशों में आम होती जा रही है। तकनीक के उपयोग में कोई बुराई नहीं हैं अपितु तकनीक के उपयोग में आगे रहना समय की मांग होती है। पर बौद्धिक विकास या तार्किकता की पहली शर्त ही अध्ययन मनन होती है।

सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है। जब एक क्लिक में सामग्री मिल जाती है तो फिर पढ़ने-पढ़ाने की जहमत कौन उठाएं। कोरोना के कारण ऑनलाइन कक्षाओं का जो चलन चला था उसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया पर परोसी जाने वाली सामग्री में कितना सही है और क्या सही है यह तय करना जोखिम भरा काम है। परिवारों के हालात यह होते जा रहे हैं कि किताब तो दूर होती जा रही है और क्या बच्चे और क्या बड़े सब मोबाइल पर लगे रहते हैं और आपसी संवाद करने की भी फुर्सत नहीं होती। एकाकीपन बढ़ता जा रहा है। सामाजिकता तो लगभग समाप्त ही होती जा रही है। सोशियल मीडिया में शार्टकट मैसेजों का चलन इस कदर बढ़ गया है कि कई बार तो शार्टकट मैसेज को डिकोड करने में ही पसीने आ जाते हैं। अब 2025 की ही बात ले तो सोशियल मीडिया पर डब्ल्यूटीएफ का चलन जोरों से चल रहा है। डब्ल्यूटीएफ का एक तो सीधा साधा अर्थ है क्या मजाक है। पर दूसरी और नए साल के बुधवार से आरंभ होने को लेकर डब्ल्यूटीएफ का धडल्ले से प्रयोग किया जा रहा है। डब्ल्यूटीएफ के माध्यम से लोगों को डराया भी जा रहा है कि जिस तरह से 2020 में बुधवार से नए साल की शुरुआत हुई थी और उस साल कोरोना के भयावह दौर से गुजरना पड़ा। इस तरह से डब्ल्यूटीएफ के माध्यम से कोरोना काल जैसी त्रासदी की संभावना से लोगों को डराया जा रहा है। अब जिस तरह के चीन से समाचार आ रहे हैं उनमें कितनी सचाई है यह तो दूर की बात है पर उससे दहसत का माहौल बनता जा रहा है। एक समय था जब बच्चों की कम्यूनिकेशन स्कील विकसित की जाती थी। अब सोशियल मीडिया के इस जमाने में कम्युनिकेशन स्किल तो दूर की बात शार्ट कट के आधार पर ही काम चलाया जा रहा है। खास यह कि सामने वाले से यह अपेक्षा की जाती है कि उसे सब कुछ मालूम है।

आने वाली पीढ़ी को गंभीर और चिंतनशील बनाना है तो उसे कट पेस्ट के दुनिया से बाहर लाना ही होगा। कहा जाता है कि जितना अधिक अध्ययन मनन होता है व्यक्ति उतना ही निखर कर आता है। जब इंटरनेट की दुनिया में जो जानकारियां हैं उन्हीं का उपयोग किया जाता है तो ऐसी हालत में चिंतन, मनन, तक-वितर्क, वैचारिक परिपक्वता, शोध आदि की कल्पना करना अपने आप में गलत होगा।

प्रयागराज में महाकुंभ के बहाने साइबर ठग एक्टिव

कॉटेज बुकिंग के नाम पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के डिप्टी एजी बने शिकार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े आध्यात्मिक महोत्सव महाकुंभ मेला के नाम पर साइबर ठग सक्रिय हो गए हैं। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में साइबर ठगों ने हाईकोर्ट के डिप्टी एडवोकेट जनरल को अपना शिकार बनाया और फर्जी बैंक अकाउंट में पैसे जमा करा लिए। इस मामले की शिकायत पुलिस से की गई है। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है।

थाना प्रभारी ओमप्रकाश कुर्रे ने बताया कि हाईकोर्ट के एडवोकेट डिप्टी जनरल सुनील काले और विनय पांडेय ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेला जाने का प्लान बनाया। इसके लिए उन्होंने गूगल में सर्च कर कॉटेज बुक करने के लिए वेबसाइट की जानकारी ली, जिसमें उन्हें प्रयागराज में अलग-अलग वर्ग के लिए कॉटेज उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। इस पर उन्होंने ऑनलाइन प्रीमियम कॉटेज बुक करने के लिए प्रोसेस शुरू किया।

फर्जी अकाउंट में जमा कराए पैसे, कॉटेज नहीं हुआ बुक: हाईकोर्ट के दोनों डिप्टी एडवोकेट जनरल ने वेबसाइट से प्रीमियम कॉटेज बुक करने के लिए अपने दो अकाउंट से करीब 69 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किया। उन्हें बताया गया कि कॉटेज बुक हो गया है। बाद में उन्होंने कंफर्म करने का प्रयास किया, तब पता चला कि उनके नाम पर कॉटेज ही बुक नहीं हुआ है। उन्हें बताया गया कि साइबर ठगों ने फर्जी अकाउंट में पैसा ट्रांसफर करा लिया है। ठगी का मामला सामने आने पर उन्होंने मामले की शिकायत चकरभाठा थाने में की है। थाना प्रभारी कुर्रे ने बताया कि उनकी शिकायत पर जांच की जा रही है।

प्रयागराज कुंभ मेले के नाम पर ठगी: हिंदू धर्म का प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ मेला है। देश के साथ ही दुनिया भर के लोग कुंभ मेले में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। ऐसे में तरह-तरह से ठगी करने वाले साइबर ठगों ने अब कुंभ मेले के नाम पर ठगी शुरू कर दी है। आमतौर पर ठग अनजाने नंबर से कॉल कर या फिर गूगल सर्च पर फर्जी वेबसाइट अपलोड कर या फिर डिजिटल अरेस्ट और गोपनीय जानकारी हासिल कर ठगी करते रहे हैं। इसके साथ ही साइबर ठग आरबीआई, बैंक, पुलिस, सीबीआई अफसर बनकर ठगी करते रहे हैं।

अब ठग धार्मिक आयोजन और कुंभ मेले के नाम पर भी लोगों से ठगी कर रहे हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क और सावधान रहने की जरूरत है। उन्हें सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे जन्मतिथि, पता, फोन नंबर और बैंक संबंधी विवरण साझा नहीं करने के साथ ही गूगल पर "कस्टमर केयर" जैसे सामान्य सर्च न करने की जानकारी दी जाती है। क्योंकि इससे आप साइबर ठगों के संपर्क में आ सकते हैं। सही जानकारी के लिए हमेशा अधिकृत वेबसाइटों या संस्थाओं के संपर्क माध्यम का उपयोग करें।

महाकुंभ 2025 के दौरान साइबर अपराधी श्रद्धालुओं को ठगने के लिए अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में रायपुर सिविल लाइन थाना के निरीक्षक रोहित मालेकर ने महाकुंभ में साइबर ठगी से बचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की बात कही है। उन्होंने ठगी से बचने के लिए कुछ टिप्स बताएं हैं।

बुजुर्ग महिला पर जानलेवा हमला

पानी मांगने पर पड़ोसी ने पत्थर से किया वार, गंभीर हालत में एम्स रायपुर रेफर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर के ईरानी मोहल्ला सरकंडा में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला तुलसा बाई पर उनके पड़ोसी ने जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है, जब स्थानीय लोगों ने तुलसा बाई को उनके घर के बाहर निर्वस्त्र और लहूलुहान हालत में पाया। स्थानीय लोगों ने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। महिला को पहले सिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एम्स रायपुर रेफर कर दिया गया।

पत्थर से महिला पर किया हमला: सरकंडा थाना प्रभारी नीलेश पांडेय के अनुसार, आरोपी पड़ोसी ने पूछताछ में बताया कि महिला घर के सामने कंबल ओढ़कर सो रही थी।

पानी मांगने को लेकर हुए विवाद में उसने गुस्से में आकर वहीं पड़े पत्थर से महिला पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला के सिर के बाईं ओर और छाती में गंभीर चोटें आईं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता अकेली रहती हैं और पेंशन से अपना जीवनयापन करती हैं। फिलहाल एम्स रायपुर में उनका इलाज जारी है, जहां उनकी स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है।

लखमा को हर महीने 2 करोड़ मिला कमीशन

ईडी के वकील बोले- 36 महीने में 72 करोड़ मिले, इससे हरीश का घर, कांग्रेस भवन बना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। शराब घोटाला केस में छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ईडी की रिमांड में हैं। बुधवार को वे रायपुर के ईडी दफ्तर पूछताछ के लिए पहुंचे थे। यहीं से उनकी गिरफ्तारी हुई। रिमांड मिलने के बाद अब ईडी के वकील ने दावा किया है कि, कवासी लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे।

इससे पहले अब तक हर महीने लखमा को 50 लाख मिलने की बात सामने आई थी। वकील सौरभ पांडेय ने कहा कि, 2 साल तक कार्रवाई चली जिसमें 36 महीने में प्रोसीड ऑफ क्राइम 72 करोड़ रुपए का है। ये राशि सुकमा में बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और कांग्रेस भवन सुकमा के निर्माण में लगी है।

अरविंद सिंह और अरुणपति त्रिपाठी ने पूछताछ में बताया

ईडी के वकील सौरभ पांडेय के मुताबिक, गिरफ्तार अरुणपति त्रिपाठी और अरविंद सिंह ने पूछताछ में बताया था कि पूर्व मंत्री के पास हर महीने कमीशन पहुंचता था। अरविंद सिंह ने बताया था कि शराब कर्टल से हर महीने लखमा को 50 लाख रुपए दिए जाते थे।

वहीं एपी त्रिपाठी ने कहा था कि 50 लाख रुपए के ऊपर भी 1.5 करोड़ रुपए और दिया जाता था। इस हिसाब से 2 करोड़ रुपए पूर्व आबकारी मंत्री को हर महीने कमीशन के मिलते थे।

आबकारी विभाग के अफसर पैसों का अरेंजमेंट करते थे: आबकारी विभाग में काम करने वाले ऑफिसर इकबाल खान, जयंत देवांगन ने बताया कि वे पैसों का अरेंजमेंट कर उनको भेजते थे। कन्हैया लाल कुर्रे के जरिए पैसों के बैग कलेक्ट किए जाते थे। कवासी ने खुद अपने बयान में यह एडमिट किया है कि अरुण पति त्रिपाठी साइन करवाता था। ऐसे में उन्हें नॉलेज तो था कि कुछ चल रहा है। इनका भी इन्वॉलमेंट साफ दिखाई दे रहा है।

जप्तशुदा लावारिस वाहनों की निलामी स्थगित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पुलिस अधीक्षक जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) के प्रतिवेदन दिनांक 03 जनवरी 2025 को पत्र क्रमांक 54/स्था./न.क्र./2025 के अनुसार जिले के अनुभागों में जप्तशुदा लावारिस वाहनों की निलामी किये जाने हेतु 20 जनवरी 2025 समय-12:00 बजे, स्थान- थाना मनेंद्रगढ़-जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) में किया जाना प्रस्तावित किया गया था।

परंतु कलेक्टर न्यायालय में प्रकरण लंबित होने की वजह से जप्तशुदा लावारिस वाहनों की नीलामी स्थगित की जाती है। कलेक्टर न्यायालय से प्रकरणों के आदेश होने के पश्चात नीलामी की सूचना पृथक से दी जायेगी।

24 घंटे में तीन दर्दनाक सड़क हादसे

एक की मौत, 7 गंभीर घायल, तेज हेडलाइट और लापरवाह ड्राइविंग बनी वजह

मीडिया ऑडीटर, कांकेर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में पिछले 24 घंटे में तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली दुर्घटना में भानुप्रतापपुर के धनेलीकन्हार निवासी 45 वर्षीय पुरुषोत्तम उसेंडी की मौत हो गई, जो अपने बेटे निवेध के साथ स्कूटी पर भीरगांव सीआरपीएफ कैंप से घर लौट रहे थे। अज्ञात वाहन की टक्कर में उन्हें गंभीर चोटें आईं और अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दूसरी दुर्घटना सरोना के मुड़पार में हुई, जहां दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा गईं। इस हादसे में दसपुर निवासी नरेश साहू (49) के कंधे और पैर में गंभीर चोटें आई है। दूसरी बाइक पर सवार केशकाल माहुरबेड़ा के श्रवण कोर्राम (35), उनकी बेटी चंद्रिका (11) समेत दो अन्य महिलाएं घायल हैं।

तेज हेडलाइट की रोशनी आंखों में पड़ने से हादसा: तीसरा सड़क हादसा माकड़ी चौक पर हुआ, जहां रात साढ़े 7 बजे धर्मेंद्र यादव और धनंजय साहू बाइक से गिर गए। घायलों ने बताया कि बड़ी गाड़ियों में लगे अत्यधिक तेज हेडलाइट की रोशनी आंखों में पड़ने से वे रास्ता नहीं देख पाए और हादसा हो गया।

सभी घायलों को पहले स्थानीय अस्पतालों में प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए धमतरी और रायपुर के उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया है। यातायात विभाग ने इन दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करने का अभियान शुरू किया है।

मुंगेली नाका की सात दुकानों में आग

अज्ञात व्यक्ति ने आधी रात लगाई आग, 1.70 लाख का नुकसान, सीसीटीवी में कैद हुआ आरोपी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर के मुंगेली नाका इलाके में एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई है। आधी रात को किसी अज्ञात व्यक्ति ने चाय-नाश्ता, फल-फूल और पूजा सामग्री की 7 दुकानों में आग लगा दी। इस घटना में लगभग 1.70 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

घटना शेफर्ड स्कूल के पास की है, जहां वीरेंद्र सिंह समेत कई दुकानदारों की दुकानें थीं। वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मंगलवार रात 11 बजे वह अपना फल का ठेला पॉलिथीन से ढंककर घर चला गया था। रात करीब 3:30 बजे उन्हें दुकान में आग लगने की सूचना मिली। जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, सारा सामान जलकर राख हो चुका था।

दुकानें एक-दूसरे के पास होने के कारण आग तेजी से फैली: इस आगजनी में अक्षत केशरवानी, सुल्तान मोहम्मद, मुन्ना सिंह और फलीन्द्र सिंह परिहार की दुकानें भी पूरी तरह जल गईं। सभी दुकानें एक-दूसरे के पास होने के कारण आग तेजी से फैल गई। सीसीटीवी फुटेज में आग लगाने वाला व्यक्ति साफ दिखाई दे रहा है।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस: सिविल लाइन पुलिस ने आगजनी का मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश में जुटी है। घटना की प्रकृति से लग रहा है कि यह एक सोची-समझी साजिश थी, जिसमें दुकानों को निशाना बनाया गया।

जल जीवन मिशन ने बदली अनीता देवी का जीवन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत-सोनहरी के ग्राम- नगवां में हर घर तक जल जीवन मिशन के तहत नल से जल को पहुंचाने का सपना साकार हो रहा है। जल जीवन मिशन के तहत इस बस्ती के लोगों को अब स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की सुविधा मिल रही है। इस ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहल से ग्रामीणों के जीवन में व्यापक बदलाव आया है और इसकी एक मिसाल ग्राम पंचायत-सोनहरी ग्राम-नगवां की निवासी अनीता देवी की प्रेरणादायक कहानी है।

अनीता देवी एक सामान्य ग्रामीण महिला हैं। जिनका जीवन कभी पानी के लिए संघर्ष में बीतता था। अपने परिवार के लिए पानी लाने के लिए उन्हें लंबी दूरी तय कर खेतों के रास्ते नाला झरना तक जाना पड़ता था। यह प्रक्रिया न केवल उनके कीमती समय को बर्बाद करता था, बल्कि उनके परिवार के स्वास्थ्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता था।

17 इंस्पेक्टर समेत 90 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर

पुलिस लाइन प्रभारी यातायात भेजे गए, सरस्वती नगर में महिला थानेदार नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में 17 इंस्पेक्टर समेत 90 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर हुआ है। यह आदेश एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने जारी किया है। इस आदेश के मुताबिक, लंबे समय से पुलिस लाइन के रिजर्व केंद्र के प्रभारी वैभव मिश्रा को यातायात में भेजा गया है। वहीं, अनीश सारथी रक्षित केंद्र के नए प्रभारी होंगे।

तेलीबांधा थाना प्रभारी विनय सिंह बघेल को टिकरापारा की जिम्मेदारी दी गई है। दरअसल, टिकरापारा इलाके में बीते कई महीनों से लगातार हंगामा हो रहा था। जिससे शहर के एक बड़े इलाके में लॉ एंड ऑर्डर की समस्या हो रही थी।

इसके अलावा शहर के मोमिनपारा इलाके में गौ-मांस बिक्री मामले में हिन्दू संगठनों ने जमकर बवाल किया। चर्चा है कि इस वजह से आजाद चौक थाना प्रभारी प्रमोद सिंह को राजेंद्र नगर थाने भेजा गया। वही राजेंद्र नगर टीआई जितेंद्र ताम्रकार को आजाद चौक का प्रभारी बनाया गया।

इसके अलावा पुलिस लाइन और कंट्रोल रूम में तैनात दो इंस्पेक्टर अविनाश सिंह और श्रुति सिंह को क्रमशः मंदिर हसौद और सरस्वती नगर थाने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मंदिर हसौद थाना प्रभारी सचिन सिंह को खमतराई थाने का प्रभारी बनाया गया है। शिव नारायण सिंह को डीडी नगर का जिम्मा सौंपा गया है।

एक अन्य आदेश में 73 पुलिसकर्मियों के थानों में बदलाव किया गया है। इसमें सब इंस्पेक्टर, एएसआई, प्रधान आरक्षक और आरक्षक भी शामिल है।

कोर्ट में जमानत के लिए फर्जीवाड़ा

बलौदाबाजार में एक ही ऋण पुस्तिका से तीन बार जमानत लेने की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार (एजेंसी)। बलौदाबाजार में एक ही ऋण पुस्तिका का उपयोग कर तीन अलग-अलग मामलों में जमानत लेने का प्रयास करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भाटापारा ग्रामीण के बोडतरा गांव का निवासी 58 वर्षीय संतराम अनंत को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, संतराम पहले ही 4 जनवरी को दो अलग-अलग आपराधिक मामलों में 25-25 हजार रुपए की जमानत अपनी ऋण पुस्तिका से ले चुका था। मामला तब उजागर हुआ जब 14 जनवरी को वह उसी ऋण पुस्तिका से एक और मामले में 25 हजार रुपए की जमानत लेने पहुंच गया।

ऐसे किया फर्जीवाड़ा: न्यायालय और पुलिस प्रशासन ने इस फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। जांच में पता चला कि आरोपी ने पहले की जमानत के पन्नों को ऋण पुस्तिका से हटाकर दस्तावेजों में हेरफेर किया था। इतना ही नहीं, उसने कोर्ट में झूठी जानकारी देते हुए घोषणा पत्र भी प्रस्तुत किया।

आरोपी को भेजा जेल: सिटी कोतवाली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसे न्यायालय में पेश कर सीधे जेल भेज दिया गया।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में प्रतिभागियों ने किया जिले का नाम रौशन

विवेक जीत लहरे ने अपनी सुमधुर आवाज से दर्शकों और निर्णायक दल को किया मंत्रमुग्ध

अदिति अग्रवाल को मिला 5000 रुपये का चेक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार और खेल अधिकारी गोपाल सिंह के कुशल मार्गदर्शन में जिले के प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव-2025 में अपने प्रदर्शन से एक नई पहचान बनाई। यह महोत्सव 12 से 14 जनवरी 2025 तक राजधानी रायपुर के खेल संचालनालय परिसर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव में राज्य भर से हजारों प्रतिभागियों ने अपनी कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

इस युवा महोत्सव में एमसीबी जिले के युवा प्रतिभागियों ने न केवल अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, बल्कि अपने जिले का नाम भी रोशन किया है। कहानी लेखन प्रतियोगिता में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड की अदिति अग्रवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मानसी अग्रवाल ने द्वितीय स्थान हासिल कर जिले की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी रचनात्मकता और लेखन शैली ने निर्णायकों को गहराई से प्रभावित किया। इस उपलब्धि के लिए समापन समारोह में छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने अदिति अग्रवाल को 5000 रुपये का चेक प्रदान किया। राज्यपाल ने अदिति को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है।

एमसीबी जिले के ही खड़गवां ब्लाक के रहने वाले विवेकजीत लहरे ने एकल लोकगीत प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले की सांस्कृतिक धरोहर को शानदार ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी सुमधुर आवाज और प्रस्तुति शैली ने दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विवेकजीत की इस उपलब्धि पर भी एमसीबी जिला प्रशासन ने उनकी सराहना की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस महोत्सव में एमसीबी जिले के युवा कलाकारों ने केवल प्रतियोगिताओं में भाग लेने तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि कला और संस्कृति के विभिन्न स्वरूपों को प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि को भी उजागर किया। महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में एमसीबी जिले के युवाओं ने सक्रिय भागीदारी की और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

एमसीबी जिले के प्रतिभागियों की सफलता पर जिले के कलेक्टर ने उन्हें बधाई दी और कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह अन्य युवाओं को भी प्रेरित करेगी। वही खेल अधिकारी गोपाल सिंह ने कहा कि यह महोत्सव युवाओं को अपनी कला और कौशल दिखाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। इस महोत्सव ने न केवल प्रतिभागियों को प्रेरित किया, बल्कि उन्हें छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति को समझने और उससे जुड़ने का अवसर भी दिया। एमसीबी जिले के प्रतिभागियों की इस सफलता से जिले में उत्साह और गर्व का माहौल है।

रेलवे अफसर करा रहे ट्रेन हादसे, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अफसर सुरक्षा व्यवस्था को दरकिनार कर ट्रेनों के इंजन के पहियों में ड्रिलिंग कराया जा रहा है। जिससे इंटेशनली हादसे कराया जा रहा है। यह आरोप एक रेलकर्मी ने लगाते हुए हाईकोर्ट ने जनहित याचिका दायर की है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए ह्वररूको नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल, अमोश नाग दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़ में आपरेशनल विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने जनहित याचिका दायर कर रेलवे के अफसरों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि वित्तीय लाभ हासिल करने के लिए नियमों को ताक पर रखकर ट्रेनों के इंजन के पहिए में ड्रिलिंग करा रहे हैं।

रेल अफसरों के रवैए से हादसा होने का खतरा: रेल कर्मी ने हाईकोर्ट को बताया कि रेलवे अधिकारी इंटेशनली एक्सीडेंट कराया जा रहा है, जिसकी जानकारी होने पर उन्होंने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है।

आयुक्त ने यात्री प्रतिक्षालय, सुलभ शौचालय, गौठान सहित अन्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं प्रशासन नगर निगम चिरमिरी डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन में प्रतिदिन की भांति गुरुवार की सुबह भी नगर निगम चिरमिरी के आयुक्त रामप्रसाद आचला अपने नगर निगम टीम के साथ गुरुवार की सुबह शहर के यात्री प्रतीक्षालय सुलभ शौचालय गौठान सहित अन्य सुविधाओं का मुआयना किया।

आयुक्त आचला ने वार्ड क्रमांक 05 गोकुल नगर के एसएलआरएम सेंटर, यात्री प्रतीक्षालय, गौठान सहित सुलभ शौचालय का औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान शौचालय के स्नानागार सुलभ शौचालय में उपस्थित कर्मचारियों को समझाइस दी गयी। आयुक्त ने कहा कि शौचालय परिषद के अंदर कूड़ा कचरा और गंदगी का अंबार नहीं होना चाहिए, शौचालय में सफ़ाई होने से आमजनों को सुविधा प्राप्त होगी।

दिल्ली चुनाव- भाजपा की चौथी लिस्ट में 9 नाम, ग्रेटर कैलाश से सौरभ भारद्वाज के खिलाफ शिखा राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपनी चौथी लिस्ट गुरुवार को जारी कर दी। इस लिस्ट में 9 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। भाजपा ने अपनी कुल चार लिस्ट में 68 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं, जबकि एक-एक सीट सहयोगी पार्टी जेडीयू और एलजेपी (रामनिवास) के लिए छोड़ी है। भाजपा ने ग्रेटर कैलाश से आप प्रत्याशी और मंत्री सौरभ भारद्वाज के खिलाफ शिखा राय को टिकट दिया है। जबकि आप के दिल्ली अध्यक्ष और बाबरपुर से प्रत्याशी गोपाल राय के खिलाफ अनिल वशिष्ठ को उतारा है। वहीं, वजीरपुर सीट से कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक के सामने पूनम शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। पूनम अशोक विहार से निगम पार्षद हैं। 12 जनवरी को लिस्ट में एक नाम, मुस्तफाबाद से मोहन बिष्ट को उतारा भाजपा की तीसरी लिस्ट में सिर्फ एक नाम था। पार्टी ने मुस्तफाबाद से मोहन बिष्ट के नाम की घोषणा की थी। दरअसल, एक दिन पहले भाजपा ने दूसरी लिस्ट जारी की थी। इसमें करावल नगर से पांच बार के विधायक मोहन बिष्ट का टिकट काट कर कपिल मिश्रा के टिकट की घोषणा की थी।

इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए बिष्ट ने 12 जनवरी को संकेत दिए थे कि वे उसी सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं। इसके बाद शाम को भाजपा ने एक नाम की तीसरी लिस्ट जारी करते हुए उन्हें मुस्तफाबाद से उम्मीदवार

घोषित कर दिया।

11 जनवरी को एक विधायक का टिकट कटा, दूसरे का रिपीट भाजपा ने दूसरी लिस्ट में 29 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की थी। लक्ष्मीनगर से विधायक अभय वर्मा का टिकट रिपीट किया गया था। पूर्व सीएम मदनलाल खुराना के बेटे हरीश खुराना को मोती नगर से टिकट दिया गया। पार्टी ने इस लिस्ट में 26 सीटों पर अपने पिछले उम्मीदवार बदल दिए थे। सिर्फ 2 उम्मीदवार ऐसे थे जिनको 2020 चुनाव हारने के बाद भी टिकट मिला। इसमें त्रिनगर से तिलकराम गुप्ता और द्वारका से प्रद्युम्न राजपूत हैं। दूसरी लिस्ट में 9 पार्षदों को मैदान में उतारा था। इसमें पिछले महीने भाजपा में शामिल हुईं आप पार्षद प्रियंका गौतम भी हैं। वे अभी कौंडली वार्ड से पार्षद हैं। पूर्व मेयर श्याम शर्मा को हरी नगर से उतारा गया है। पिछली बार इस सीट से तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने चुनाव लड़ा था।

सैफ अली खान पर घर में घुसकर हमला

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमला करने वाले संदिग्ध शख्स की पहली तस्वीर सामने आई है। वह रात ढाई बजे छठी फ्लोर पर नीचे उतरता दिखा। मुंबई पुलिस के डीएसपी गेदाम दीक्षित ने बताया कि हमलावर सीढ़ियों से अपार्टमेंट में दाखिल हुआ और हमले के बाद सीढ़ियों से ही भागा।एक्टर पर उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया था। घटना मुंबई के खार स्थित गुरु शरण अपार्टमेंट के 12वें फ्लोर पर बुधवार देर रात करीब 2.30 बजे हुई। इस हमले में एक्टर को गले, पीठ, हाथ और सिर समेत 6 जगह चाकू लगा था। घायल सैफ को रात में ही लीलावती हॉस्पिटल ले जाया गया था। लीलावती अस्पताल के सीओओ डॉ. नीरज उत्तमानी

ने बताया कि सैफ की रीढ़ की हड्डी में चाकू का टुकड़ा फंसा था और फ्लूड भी लीक हो रहा था। सर्जरी करके इसे निकाला गया है। एक्टर के बाएं हाथ पर दो गहरे घाव थे और गर्दन पर भी गहरी चोट थी। इनकी प्लास्टिक सर्जरी की गई है। अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि सैफ के घर से 3 हाउस मेड को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन ले गई। इस दौरान, हाउस मेड ने पुलिस को बताया कि उसे बाथरूम के पास अचानक कोई परछाई नजर आई उसे लगा कि करीना शायद अपने छोटे बेटे को देखने आए होगी, लेकिन उन्हें बाद में शक हुआ तो वह आगे गई। अचानक एक व्यक्ति ने महिला के ऊपर हमला कर दिया और धारदार हथियार दिखाते हुए चुप रहने के लिए कहा।

इस बीच दूसरी मेड भी आ गई। इस दौरान हमलावर ने बच्चों की देखभाल करने वाली मेड (नैनी) से एक करोड रुपए की डिमांड की। इस दौरान सैफ अली खान भी वहां पहुंचे और उन्होंने जब देखा तो अज्ञात आरोपी और सैफ के बीच हाथापाई हुई।

गणतंत्र दिवस फ्लाईपास्ट में ध्रुव-तेजस नहीं होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बना हेलीकॉप्टर ध्रुव और लड़ाकू विमान तेजस गणतंत्र दिवस फ्लाईपास्ट का हिस्सा नहीं होंगे।

इसी महीने गुजरात के पोरबंदर में एडवांस्ड लाइड हेलीकॉप्टर ध्रुव के क्रैश होने के बाद यह फैसला लिया गया है। वहीं, तेजल के सिंगल इंजन एयरक्राफ्ट होने की वजह से इसे फ्लाईपास्ट से बाहर किया गया है। दरअसल, वायुसेना ने गणतंत्र दिवस परेड में सिंगल इंजन एयरक्राफ्ट्स को उड़ाना बंद कर दिया है। वायुसेना अधिकारी ने मीडिया को बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में 22 लड़ाकू विमान, 11 ट्रांसपोर्ट विमान, 7 हेलीकॉप्टर और 3 डोर्नियर निगरानी विमान शामिल होंगे। फ्लाईपास्ट में एक राफेल लड़ाकू विमान भी शामिल होगा। परेड में वायुसेना की मार्चिंग दस्ते में 144 जवान शामिल होंगे।

आतिशी और संजय सिंह को कोर्ट नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली की सीएम आतिशी और आप सांसद संजय सिंह को नोटिस जारी किया है। ये नोटिस कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित के मानहानि के मामले में दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी को होगी।

नई दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने अपनी शिकायत में कहा है कि 26 दिसंबर को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके और कांग्रेस पर मानहानि करने वाले आरोप लगाए थे। सीएम आतिशी और संजय सिंह ने कहा था कि संदीप दीक्षित ने केजरीवाल को हराने के लिए भाजपा से करोड़ों रुपए लिए हैं और वे बीजेपी के साथ मिलकर आप को हराने की साजिश रचने में शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में रहस्यमयी बीमारी से एक और बच्ची की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बधाल गांव में बुधवार रात को 9 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। राजौरी जिले में रहस्यमय बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है, जिसमें 12 बच्चे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मौतों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है। बधाल गांव में 7 से 16 दिसंबर 2024 के बीच 2 परिवारों के 9 सदस्यों की मौत हुई थी। इसके बाद 11 जनवरी को मोहम्मद असलम के 6 बच्चे बीमार हुए, जिनमें से 4 की मौत हो गई थी। 12 जनवरी को 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई थी। जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य मंत्री सकीना मसूद ने बधाल गांव में हुई इन मौतों की वजह रहस्यमय बीमारी होने की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के अंदर और बाहर किए गए सभी जांच के रिजल्ट नेगेटिव आए हैं।

मंत्री सकीना मसूद ने कहा कि किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले पूरी जांच होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वे जिला विकास आयुक्त और सीनियर पुलिस अधीक्षक से लगातार संपर्क में हैं। मृतकों के नमूनों में न्यूरोटॉक्सिन मिला मत्री सकीना मसूद ने कहा कि अगर ये मौतें किसी बीमारी के कारण हुई होतीं तो ये तेजी से फैल जाती और केवल तीन परिवारों तक सीमित नहीं रहती।

अंतरिक्ष में डॉकिंग करने वाला चौथा देश बना भारत

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को सक्सेसफुली डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। इससे पहले रूस, अमेरिका और चीन ही ऐसा करने में सफल रहे हैं। इसरो ने बताया कि 16 जनवरी को सुबह डॉकिंग एक्सपेरिमेंट को पूरा किया गया। इस मिशन की कामयाबी पर चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे मिशन्स निर्भर थे। चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की मिट्टी के सैंपल पृथ्वी पर लाए जाएंगे। वहीं गगनयान मिशन में मानव को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से रात 10 बजे स्पेस

डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन लॉन्च किया था। इसके तहत पीएसएलवी-सी 60 रॉकेट से दो स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी से 470 किमी ऊपर डिप्लॉय किए गए।

7 जनवरी को इस मिशन में दोनों स्पेसक्राफ्ट्स को कनेक्ट किया जाना था, लेकिन इसे टाल दिया गया।

केंद्र सरकार ने 8वां वेतन आयोग बनाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। आयोग की सिफारिशें 2026 से लागू होंगी। यह जानकारी कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा- सातवां वेतन आयोग 2016 में लागू हुआ था, इसकी सिफारिशें 2026 तक जारी रहेंगी।

7वां वेतन आयोग (पे-कमीशन) 1 जनवरी, 2016 से लागू हुआ था। इससे करीब 1

करोड़ लोगों को फायदा हुआ था। वेतन आयोग हर 10 साल में लागू किया जाता है। उम्मीद है कि मोदी सरकार 1 जनवरी, 2026 से 8वां वेतन आयोग लागू कर देगी। इससे केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन और पेंशन बढ़ेगी।

असम कोयला खदान हादसा, 5 मजदूर अब भी लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम सरकार ने गुरुवार को उमरंगसो कोयला खदान हादसे की जांच ज्युडीशियल और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम से करवाने की घोषणा की है। सरकार सभी पीड़ितों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए के मुआवजा देगी। साथ ही सभी 220 ऐसी ही खदानों को बंद करने का भी फैसला लिया गया है।

बचाव एजेंसियों का कहना है कि पानी निकालने का काम पूरा होने में लगभग 30 से 60 दिन लगेंगे। अभी

एनडीआरएफ की टीम 15 पंपों के जरिए 7.9 लाख लीटर प्रति घंटे की दर से पानी निकाल रही है।

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का कहना है कि 48 घंटों तक पानी निकालने के बाद भी पानी का लेवल केवल 1 फुट से कम कम हुआ है। ऐसा लगता है कि खदान कहीं न कहीं कोपिली नदी से जुड़ी हुई है।

6 जनवरी को दीमा हसाओ जिले में 3 किलो उमरंगसो की कोयला खदान में पानी भर गया था। जिसमें 9 मजदूर फंस गए थे। अब तक 4 मजदूर के शव निकाले जा चुके हैं। जबकि 5 मजदूरों का कोई पता नहीं चल सका है।

राजस्थान-दिल्ली समेत 6 राज्यों में बारिश, अनंतनाग-पुंछ में बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार सुबह से 4 जिलों अनंतनाग, पुंछ, भद्रवाह और डोडा में बर्फबारी हो रही है। कुफरी, नारकंडा, लाहौल घाटी, सोलंग नाला, शिमला, भरमौर और मनाली में भी बर्फबारी हुई। बर्फबारी के कारण गुरेज-बांदीपुरा, सेमथान-किश्तवाड़ रोड बंद कर दिया गया।

पहलगाम, श्रीनगर, काजीकुंड, कोकेरनाग और गुलमर्ग में तापमान माइनस में रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश का अलर्ट दिया जारी किया है।

मौसम विभाग ने गुरुवार (16 जनवरी) के लिए राजस्थान के जयपुर, भरतपुर और कोटा समेत 6 जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश, हिमाचल, दिल्ली और उत्तराखंड में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

ठंड के चलते उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 8 लोगों की मौत हो गई। ठंड के चलते 8वीं तक के स्कूल 18 जनवरी तक के लिए बंद कर दिए गए हैं।

किसानों का शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच का ऐलान

पटियाला (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने 21 जनवरी को दिल्ली कूच का ऐलान कर दिया है। किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि इसमें 101 किसान शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अभी तक वार्ता का मन नहीं बना रही है, इसलिए आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को चेतावनी भी दी कि उनके प्रधानमंत्री रहते ही देश में एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी का कानून आएगा। किसानों की सभी

मांगें देश हित में हैं और उन्हें लागू कराया जाएगा।

किसान इससे पहले भी दिसंबर महीने में 3 बार दिल्ली कूच की कोशिश कर चुके हैं। किसान 6 दिसंबर, 8 दिसंबर और 14 दिसंबर 2024 को दिल्ली की ओर रवाना हुए थे लेकिन तीनों बार हरियाणा पुलिस ने उन्हें बैरिकेड पर ही रोक लिया।

बता दें कि एमएसपी की गारंटी कानून को लेकर किसान 11 महीने से शंभू और खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे हैं। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत डल्लेवाल 52 दिन से आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उनके समर्थन में 111 किसान लगातार दूसरे दिन अनशन पर बैठे हैं। आज गुरुवार को अनशन पर बैठे एक किसान की अचानक तबीयत खराब हो गई।

कोयला घोटाला- सुनवाई से हटे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विश्वनाथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस केवी विश्वनाथन ने गुरुवार को कोयला घोटाला मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने कहा कि वे इसी केस से जुड़े एक मामले में वकील के तौर पर पेश हुए थे, इसलिए वे अपना नाम वापस ले रहे हैं। सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच इस केस की सुनवाई करने वाली थी। जस्टिस विश्वनाथन के हटने के बाद सीजेआई खन्ना 10 फरवरी को कोयला घोटाले से

जुड़ी यचिकाओं की सुनवाई के लिए 3 जजों की नई बेंच बनाएंगे। इन याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट के 2014 में दिए आदेशों में बदलाव की मांग की गई है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट ने अवैध कोयला ब्लॉक आवंटन से जुड़े आपराधिक मामलों में ट्रायल कोर्ट के आदेशों के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करने से रोक लगा दी थी।

सीजेआई ने अपील के दायरे और हाईकोर्ट को इन मामलों की सुनवाई करने से रोकने वाले पहले के आदेशों पर विचार किया। साथ ही रजिस्ट्री से 2014 और 2017 की सभी पेंडिंग याचिकाओं को एक साथ करने को कहा है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव, कांग्रेस ने छठी लिस्ट जारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने गुरुवार को 2 कैंडिडेट की छठी लिस्ट जारी की। इसमें तिमारपुर से लोकेंद्र चौधरी और रोहतास नगर से सुरेशवती चौहान को टिकट दिया गया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने सभी 70 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। इससे पहले बुधवार देर रात कांग्रेस ने 5 कैंडिडेट की पांचवी लिस्ट जारी की थी। जिसमें 2 एससी कैंडिडेट के नाम थे।

बवाना सीट से सुरेंद्र कुमार को प्रत्याशी बनाया गया है। रोहिणी सीट से सुमेश गुप्ता को टिकट दिया गया है। पार्टी ने करोल बाग से राहुल धानक को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा तुगलकाबाद से वीरेंद्र बिधूड़ी और बदरपुर से अर्जुन भड़ाना को मैदान में उतारा गया है।

14 जनवरी को कांग्रेस ने चौथी लिस्ट जारी की थी। इसमें 16 नाम थे।

लैंड फॉर जॉब केस में अब 30 जनवरी को सुनवाई-सीबीआई को रेल अधिकारी पर केस चलाने की नहीं मिली अनुमति

पटना (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आज (16 जनवरी) लैंड फॉर जॉब मामले में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में 30 जनवरी को सुनवाई होगी। कोर्ट ने एक रेलवे अधिकारी पर केस चलाने की अनुमति नहीं दी।

इससे पहले भी 23 दिसंबर को केस चलाने की अनुमति नहीं मिलने के कारण सुनवाई टल गई थी। इस केस में लालू परिवार के पांच सदस्य आरोपी हैं। इसमें लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मीसा भारती और हेमा यादव शामिल हैं।

7 अक्टूबर को हुई सुनवाई में लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार समेत सभी 9 आरोपियों को जमानत मिल गई थी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सभी को 1-1 लाख के निजी मुचलके पर बेल दी थी। कोर्ट ने सभी को पासपोर्ट सरेंडर करने के निर्देश दिए थे। लैंड फॉर जॉब्स मामले में 20 जनवरी 2024 को श्वष्ठ की दिल्ली और पटना टीम के अधिकारियों ने लालू और

तेजस्वी से 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी। श्वष्ठ सूत्रों के मुताबिक लालू प्रसाद से 50 से ज्यादा सवाल किए गए थे। उन्होंने ज्यादातर जवाब हां या ना में ही दिए थे। पूछताछ के दौरान कई बार लालू झल्ला भी गए थे। वहीं, तेजस्वी से 30 जनवरी को लगभग 10-11 घंटे तक पूछताछ चली थी।

मिदनापुर मेडिकल कॉलेज में डिलीवरी के बाद महिला की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में डिलीवरी के बाद महिला की मौत मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्शन लिया है। उन्होंने आज हॉस्पिटल के 12 डॉक्टर्स को सस्पेंड करने का आदेश दिया है।

उन्होंने महिला के परिजनों को 5 लाख रुपए और सरकारी नौकरी देने का भी ऐलान किया है। इसमें कॉलेज के मेडिकल सुपरिटेंडेंट कम वाइस प्रिंसिपल, रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर, एचओडी, सीनियर रेजिडेंट और 6 ट्रेनी डॉक्टर्स शामिल हैं। सभी के खिलाफ गलत सलाइन चढ़ाने की जांच भी की जाएगी दरअसल मिदनापुर हॉस्पिटल में 8 जनवरी को डिलीवरी के बाद 5 महिलाएं कथित रूप से गलत सलाइन चढ़ाने से बीमार हो गई

थीं। बाद में एक महिला की मौत हो गई थी। उसका बच्चा मिदनापुर हॉस्पिटल में ही भर्ती है।ममता बोलीं- ऑपरेशन थिएटर में सीसीटीवी होने जरूरी ममता बनर्जी ने कहा कि सीआईडी और एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट एक जैसी है। 2 रिपोर्ट देखने और मुख्य सचिव व गृह सचिव से सुझाव लेने के बाद यह कदम उठाया है। अगर बिल्डिंग के अंदर सीसीटीवी कैमरा होता तो आरोपी को पकड़ा जा सकता था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन थिएटर के अंदर भी सीसीटीवी होने चाहिए।

परिजनों का आरोप- एक्सपायरी डेट का रिंगर्स लैक्टेट दिया मृतक महिला के परिजनों ने आरोप लगाया था कि उसको एक्सपायरी डेट का रिंगर्स लैक्टेट दिया गया था। इसी कारण से महिला की मौत हुई है। इसके बाद उन्होंने कोतवाली थाने में मामला भी दर्ज कराया गया है। इसके बाद राज्य स्वास्थ्य विभाग एक्टिव हो गया था। इस मामले में पुलिस अधिकारी का कहना था कि महिला ने 8 जनवरी को बच्चे को जन्म दिया था और 10 जनवरी को उसकी मौत हो गई थी। इसकी जांच के लिए 13 सदस्यों की टीम का गठन हुआ है जो मामले की जांच कर रहे हैं।रिंगर्स लैक्टेट का लिया गया सैंपल राज्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि परिजनों का आरोप है कि महिला को दिया गया रिंगर्स लैक्टेट एक्सपायर हो गया था। मृतक महिला के पति और अन्य महिलाओं के परिजनों की ओर से भी शिकायतें मिली हैं। जिसकी जांच शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि रिंगर्स लैक्टेट का सैंपल लिया गया है और अब उसकी रिपोर्ट का इंतजार है।

संक्षिप्त समाचार

मैं और खेल सकता था लेकिन : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के बीच में संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने ब्रिस्बेन टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने संन्यास की जानकारी दी। तबसे लगातार ये सवा उठ रहा है कि अश्विन ने किसी दबाव में संन्यास लिया। उनके पिता ने उनके संन्यास के बाद आरोप लगाया कि उनके बेटे की बेइज्जती हो रही थी जिस कारण उन्होंने ये फैसला लिया। हालांकि, अश्विन ने हमेशा इन सब बातों से इनकार किया है। अश्विन ने यूट्यूब चैनल पर बातचीत करते हुए कहा कि आखिरी उनके संन्यास की क्या वजह थी। उन्होंने कहा कि, क्या फर्क पड़ेगा अगर मैं मैदान पर गेंदबाजी करने आया और लोग तालियां बजा रहे हों? लोग इस पर कितने दिन चर्चा करेंगे? फेयरवेल से कोई बड़ी बात नहीं होती। खेल ने मुझे बहुत कुछ दिया और मैंने इसे पूरी कोशिश के साथ खेला। अगर मैं एक फेयरवेल मैच खेलना चाहता हूं और मेरी टीम में जगह सिर्फ इसलिए बन रही है क्योंकि वह मेरा फेयरवेल टेस्ट है तो मैं कभी ऐसा नहीं चाहता था। मुझे लगा कि मेरे क्रिकेट में और दम था, थोड़ा और खेल सकता था। लेकिन ठीक है कि आप तब संन्यास लें जब लोग हैरान हो जाएं, तब नहीं जब लोग उम्मीद कर रहे हो कि आप संन्यास ले लो। अश्विन ने आगे कहा कि, एक चीज ये भी है कि क्रिकेट करियर में हमेशा वह नहीं होगा जो हम चाहते हैं। हमें लग सकता है कि काश ऐसा हो जाता, ऐसा हो सकता था। लेकिन जब मैंने संन्यास लिया तो मेरे मन में ऐसा कुछ नहीं था। मेरे लिए हर चीज एक सीख थी। जब भी चीजें मेरे हिसाब से नहीं हुई तो मैंने उससे सीखा। मैं जीता तो भी सीखा मुझे क्रिकेट खेलकर खुशी मिलती थी और इसलिए मैं ये करता था। मैं अब भी उसी खुशी के लिए खेलूंगा ऐसा मत बोलों के मैंने क्यों संन्यास लिया।

बुमराह ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी ने मंगलवार को दिसंबर 2024 महीने के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ विनर का ऐलान कर दिया है। इस कड़ी में भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में महीने का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया है। बुमराह ने इस मामले में पैट कमिंस और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेन पेटरसन को पछाड़कर आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। उन्होंने दूसरी बार ये अवॉर्ड जीतने का कारनामा किया है। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर घातक गेंदबाजी की थी। उन्होंने दिसंबर में तीन टेस्ट में 14.22 के औसत से 22 विकेट चटकाए। उन्होंने चौथे और पांचवें मैच में 9-9 विकेट अपने नाम किए हैं। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बीजीटी में कुल 32 विकेट चटकाए। वह पीठ की जकड़न के कारण सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट में दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। भारत ने कमिंस की अगुवाई वाली टीम के हाथों 1-3 से सीरीज गंवाई। कमिंस ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट में 17.64 की औसत से 17 विकेट झटके।

इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारत ने सबसे बड़ा दल उतारा, सात्विक और चिराग पर नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारत ने अपना सबसे बड़ा दल उतारा है लेकिन नजरें कुछ जाने पहचाने नामों खासकर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर लगी होंगी। भारतीय खिलाड़ियों को पिछले दो सत्रों से इस टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिली है। भारत ने मंगलवार से शुरू हो रहे सितारों से सजे इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में अपना सबसे बड़ा दल उतारा है लेकिन नजरें कुछ जाने पहचाने नामों खासकर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर लगी होंगी। भारतीय खिलाड़ियों को पिछले दो सत्रों से इस टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिली है। भारत का 21 सदस्यीय दल इस कमी को पूरा करने के साथ छह महीने पहले पेरिस ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद अपनी गलतियों को सुधारने के इरादे से उतरेगा। भारत को सात्विक और चिराग से काफी अपेक्षायें हैं चूंकि दुनिया की पूर्व नंबर एक पुरूष युगल टीम ने 2022 इंडिया ओपन जीता था और 2025 सत्र में पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर अच्छी शुरूआत की। टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 20 पुरूष एकल खिलाड़ियों में से 18 और महिला एकल में 14 शीर्ष खिलाड़ी भाग ले रही हैं। पेरिस ओलंपिक की निराशा के बावजूद चिराग और सात्विक पिछले दो साल में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। चाइना मास्टर्स 2024 सेमीफाइनल खेल चुके सात्विक और चिराग का सामना पहले दौर में मलेशिया के वेइ चोंग मैन और केइ वुन ती से होगा। उन्हें चीन के ओलंपिक रजत पदक विजेता लियांग वेइकेंग और वांग चांग , पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक , डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन और इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्डियांटो से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस साल भारत से 21 प्रविष्टियां मिली है जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शामिल है। सिंधू अपने विवाह के कारण मलेशिया मास्टर्स से बाहर रहने के बाद वापसी कर रही हैं। हैदराबाद की 29 वर्ष की सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीता था लेकिन उसमे अधिकांश भारतीय खिलाड़ी ही खेले थे। सिंधू का सामना पहले दौर में अनुपमा उपाध्याय से होगा। वह आगे जापान की तोमोका मियाजाकी से खेल सकती है जिसने उन्हें पिछले साल स्विस ओपन में हराया था। सैयद मोदी खिताब जीतने वाले लक्ष्य सेन मलेशिया में शुरूआती दौर में ही बाहर हो गए थे। यहां तीन साल पहले खिताब जीत चुके लक्ष्य का सामना पहले दौर में चीन के होंग यांग वेंग से होगा। पेरिस ओलंपिक प्री क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद पांच महीने का ब्रेक लेने वाले एच एस प्रणय मलेशिया में दूसरे दौर में बाहर हो गए थे। यहां पहले दौर में उनका सामना चीनी ताइपै के लि यांग सू से होगा। इसमें जीतने पर उनकी टक्कर इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से हो सकती है। इंदिरा गांधी स्टेडियम में केडी जाधव इंडोर हॉल में होने वाले टूर्नामेंट में ओलंपिक चैम्पियन विक्टर एक्सेलसेन, अन सी यंग और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी शि युकी जैसे धुरंधर दौड़ में हैं।

भारतीयों में प्रियांशु राजावतको पहले दौर में छठी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नाराओका से जबकि मालविका बंसोड को तीसरी वरीयता प्राप्त चीन की युइ हान से खेलना है। आकर्षि कश्यप का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा। महिला युगल में भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की टक्कर जापान की अरिसा इगाराशी और अयाको साकुरामोतो से होगी। वहीं तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा का सामना ब्रिटेन की चोले कोने और एस्टेले वान लीयुवेन से होगा।

स्टार टेनिस प्लेयर रोहन बोपन्ना और निकोलस बेरियेंतोस पहले दौर में हुए बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहन बोपन्ना के लिए ऑस्ट्रेलिया ओपन की शुरुआत वैसी नहीं रही जैसी वह चाहते थे। जिस जगह पिछले साल उन्होने जीतकर इतिहास रचा उसी जगह उन्हें पहले ही मैच में हार झेलनी पड़ी। रोहन बोपन्ना और उनके पार्टनर कंबोडिया के निकोलस बेरियेंतोस ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल डबल्स के पहले दौर में हारकर बाहर हो गई। भारत के स्टार टेनिस प्लेयर रोहन बोपन्ना के लिए ऑस्ट्रेलिया ओपन की शुरुआत वैसी नहीं रही जैसी वह चाहते थे। जिस जगह पिछले साल उन्होने जीतकर इतिहास रचा उसी जगह उन्हें पहले ही मैच में हार झेलनी पड़ी। रोहन बोपन्ना और उनके पार्टनर कंबोडिया के निकोलस बेरियेंतोस ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल डबल्स के पहले दौर में हारकर बाहर हो गई। बोपन्ना और बेरियेंतोस की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को स्पेन के पेड्रो मार्तिनेज और जाउमी मुनार ने 7-5, 7-6 से हराया। बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखी। स्पेन की जोड़ी ने हालांकि, धीरे-धीरे लय पकड़ी और बेसलाइन पर प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई। बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखी। स्पेन की जोड़ी ने हालांकि, धीरे-धीरे लय पकड़ी और बेसलाइन पर प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई। बोपन्ना और एबडेन ने हालांकि, पिछला साल नवंबर में तूरिन एटीपी फाइनल्स के बाद अलग होने का फैसला किया।

बीसीसीआ पदाधिकारी ने गौतम गंभीर के पीएम पर लगाए गंभीर आरोप

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर का समय ठीक नहीं चल रहा है। उनके कोच बनने के बाद टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पहले श्रीलंका, न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की हार को लेकर उन पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि गौतम गंभीर का मैनेजर ऐसी जगहों पर मौजूद रहता था जहां उनका जाना निषेध था। बीसीसीआई के अधिकारी ने पीटीआई से कहा कि, गौतम गंभीर का पीए नेशनल सेलेक्टर्स के साथ क्यों बैठता था? कोच और सेलेक्टर अकेले में बात नहीं कर सकते थे। वह एडिलेड में बीसीसीआई के हॉस्पिटेलिटी बॉक्स में क्या कर रहे थे। वह फाइव स्टार फैसिलिटी में उस जगह नाश्ता क्यों कर रहे थे जहां केवल टीम के सदस्य ही रह सकते थे। बीसीसीआई के पदाधिकारी ने ये भी बताया, निजी मैनेजर के टीम बस में यात्रा करने से भ्रष्टाचार निरोधी इकाई के सदस्यों के कान भी खड़े हो जाते हैं। इस पर भविष्य में लगाम कसी जाएगी। जहां तक विदेशी दौरों में पत्नियों की उपस्थिति की बात है तो बैठक में इस पर चर्चा की गई और इस बारे में जल्द ही फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, इसके अलावा सभी खिलाड़ियों और कोच को टीम बस से ही याक्षा करनी चाहिए। हमेशा ऐसा होता रहा है लेकिन पिछले कुछ समय से देखने को मिल रहा है कि खिलाड़ी अन्य वाहनों का भी इस्तेमाल करने लगे हैं। बोर्ड के पूर्व सेलेक्टर ने भी गंभीर की तुलना ग्रेग चैपल से की थी। पूर्व सेलेक्टर ने कहा कि, या तो आप रवि शास्त्री जैसे हो कि मीडिया के साथ बहुत फ्रेंडली थे। वह खिलाड़ियों को अल्फा मेल की तह दिखाते थे। या फिर राहुल द्रविड़, गैरी कस्टर्न और जॉन राइट जैसे हो जो खुद पीछे रहकर खिलाड़ियों को लाइमलाइट में रखे।

मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक के 'खराब' होते पदकों के बदले जाने की उमीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक में जीते दो कांस्य पदकों के स्थान पर नये पदक मिलने की संभावना है क्योंकि वह उन खिलाड़ियों के बड़े समूह में से हैं जिन्होंने शिकायत की है कि उनके पदक खराब हो चुके हैं। दुनिया भर के कई खिलाड़ियों ने हाल के दिनों में अपने घिसे हुए पदकों की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। यह पता चला है कि भाकर के पदकों का रंग 'उतर' गया है और वे खराब स्थिति में हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि क्षतिग्रस्त पदकों को 'मोनैई डे पेरिस (फ्रांस का राष्ट्रीय टकसाल)' द्वारा व्यवस्थित रूप से बदला जाएगा। खिलाड़ियों को मिलने वाला नया पदक पुराने के समान ही होगा। प्रत्येक ओलंपिक पदक के केंद्र में लगे लोहे के टुकड़ों का वजन 18 ग्राम (लगभग दो-तिहाई औंस) होता है। 'मोनैई डे पेरिस' फ्रांस के लिए सिक्के और अन्य मुद्रा तैयार करती है। पेरिस ओलंपिक की आयोजन समिति सभी क्षतिग्रस्त पदक बदलने के लिए 'मोनैई डे पेरिस' के साथ मिलकर काम कर रही है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक 2024 में दिये गये पदकों में प्रतिष्ठित एफिल टॉवर के टुकड़े शामिल थे। पेरिस 2024 के लिए 5,084 स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक महंगे आभूषण और घड़ी बनाने वाली कंपनी चौमेट (एलवीएमएच समूह का हिस्सा) द्वारा डिजाइन किए गए थे और 'मोनाई डे पेरिस' ने इनका निर्माण किया था। मनु आजादी के बाद ओलंपिक के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। उन्होंने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इन खेलों में भारत के पदक का खाता खोला था। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला निशानेबाज बनीं। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने इसके बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था।

पंत ने दिल्ली के अगले रणजी मैच के लिए खुद को उपलब्ध बताया : डीडीसीए सचिव

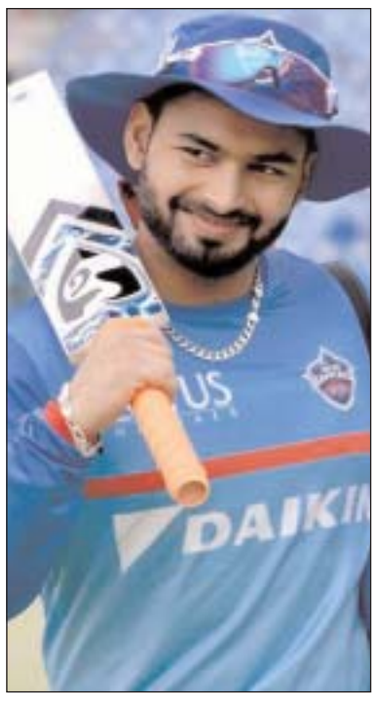

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) सचिव अशोक शर्मा ने कहा कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 23 जनवरी से राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ शुरू होने वाली दिल्ली के आगामी रणजी ट्रॉफी मैच के लिए खुद को उपलब्ध बताया है। पंत ने पिछली बार 2017-2018 सत्र में रणजी ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था। दिग्गज विराट कोहली की भागीदारी पर हालांकि कोई स्पष्टता नहीं है। कोहली ने अपना पिछला रणजी मैच 2012 में खेला था। भारत के दोनों खिलाड़ियों को शेष सत्र के लिए दिल्ली के संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है। अशोक शर्मा ने पीटीआई को बताया, ''हां, पंत ने अगले रणजी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है और सीधे राजकोट में टीम से जुड़ेंगे।

हम चाहते है कि विराट कोहली भी खेलें, लेकिन हमें उनकी प्रतिक्रिया नहीं मिली है। हर्षित राणा को भारतीय टी20 टीम में चुना गया है, इसलिए वह उपलब्ध नहीं होंगे।'' भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री उन कई पूर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो चाहते हैं कि मौजूदा पीढ़ी खासकर संघर्ष कर रहे रोहित शर्मा और कोहली लाल गेंद प्रारूप में घरेलू क्रिकेट खेलें। शुभमन गिल और यशस्वी जयसवाल के भी अपने-अपने राज्य की टीमों के लिए खेलने की उम्मीद है। रोहित ने मंगलवार को मुंबई टीम के साथ अभ्यास कर के काफी दिलचस्पी जगाई, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी मैचों के अगले दौर के लिए खुद को उपलब्ध रखेंगे। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) द्वारा अपने स्टार खिलाड़ियों को संभावितों की सूची में शामिल करना सामान्य बात है लेकिन अंतिम टीम में शामिल होना उनकी उपलब्धता पर निर्भर है। रोहित ने खराब फॉर्म के कारण ऑस्ट्रेलिया में अंतिम टेस्ट से खुद को विश्राम दिया था। जबकि कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नौ पारियों में आठ बार विकेट के पीछे (स्लिप या विकेटकीपर) कैच आउट हुए थे। कोहली और पंत के अलावा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गये हर्षित राणा भी 38 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल है। दिल्ली को रणजी लीग चरण में दो मैच खेलने हैं। टीम 23 जनवरी को राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ खेलेगी। दिल्ली की टीम ग्रुप डी में पांच मैचों में 14 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है।

रोहित शर्मा जमकर कर रहे मेहनत रनिंग करते हुए वीडियो वायरल

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन भी बेहद निराशाजनक रहा है। जून में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय कप्तान की हर कोई तारीफ कर रहा था लेकिन कुछ ही महीने के अंदर चीजें पूरी तरह से बदल गई। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके रोहित पर टेस्ट से भी रिटायरमेंट लेने का दबाव बनने लगा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर रोहित ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। रोहित की फिटनेस को लेकर भी काफई सवाल उठ रहे हैं और इस वजह से भारतीय कप्तान अपनी फिटनेस पर जमकर काम कर रहे हैं। इंग्लैंड और चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए रोहित खुद को फिट रखना चाहते हैं। इस बीच मुंबई के बीकेसी कॉम्प्लेक्स में दौड़ते रोहित शर्मा का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने भी रोहित को फिटनेस पर काम करने के लिए कहा था। खराब दौर से जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण से पहले मंगलवार को मुंबई टीम के साथ अभ्यास किया लेकिन अभी ये स्पष्ट नहीं है कि वह आगामी मैच में खेलेंगे या नहीं। 37 वर्षीय रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बेहद खराब फॉर्म में थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट में सिर्फ 31 रन बनाए और सिडनी में पांचवें तथा आखिरी टेस्ट के कारण खुद बाहर रहने का फैसला किया। उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर सुबह कुछ घंटे चले अभ्यास सत्र में भाग लिया। उन्होंने मुंबई के दिग्गज और भारत के अपने साथी खिलाड़ी रहे अंजिक्य रहाणे के साथ बल्लेबाजी की।

राजकोट में स्मृति मंधाना ने किया चमत्कार, 70 गेंदों में शतक जड़कर की कोहली की बराबरी

राजकोट (एजेंसी)। स्मृति मंधाना ने राजकोट में भारत और आयरलैंड की महिला टीमों के बीच खेले जा रहे तीसरे वनडे में कमाल करते हुए बेहतरीन शतक लगाया। टीम इंडिया कप्तान मंधाना ने 70 गेंदों में शतक पूरा किया, जिसके साथ ही उन्होंने विराट कोहली की बराबरी कर ली। बतौर ओपनर उतरी मंधाना ने बेहतरीन पारी खेलते हुए टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 70 गेंदों में शतक पूरा करने के साथ ही मंधाना महिला वनडे में भारत के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई। वहीं दूसरी तरफ विराट कोहली के नाम पर भी पुरुष वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है। कोहली ने अक्टूबर, 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए वनडे मैच में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। कहोली ने 52 गेंदों में 8 चौके और 7 छक्कों की मदद से सेंचुरी जड़ी थी। बता दें कि, भारत के लिए बतौर ओपनर मंधाना ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 80 गेंदों में 12 चौके और 7 छक्कों की मदद से 135 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 168.75 का रहा। मंधाना ने और प्रतिका रावल ने पहले विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी की। मुकाबले में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

भारतीय महिला टीम ने 435 रन बनाकर रचा नया कीर्तिमान

प्रतिका रावल ने खेली धांसू पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम और आयरलैंड के बीच राजकोट में तीसरा वनडे मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जहां भारत ने 435 रन बनाकर नया कीर्तिमान रच दिया। भारत ने निर्धारित50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर इतने रन बटोरे। ये भारत का महिला और पुरुष क्रिकेट में सर्वोच्च वनडे सर्वोच्च वनडे स्कोर है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार 400 का आंकड़ा पार किया है। टीम इंडिया का इससे पहले हाईएस्ट स्कोर 370 था जो हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में था। वहीं भारत का ओवरऑल पिछला रिकॉर्ड 418/5 का था, जो पुरुष टीम ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। वहीं आयरलैंड के खिलाफ आखिरी मैच में सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने धांसू पारी खेलीष उन्होंने 154 रनों की पारी खेलकर गदर मचा दिया। उन्होंने 129 गेंदों का सामना करने के बाद 20 चौके और 1 छक्का मारा। उन्होंने महिला वनडे में भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी पारी खेली। उनसे आगे दीप्ति शर्मा और हरमनप्रीत कौर हैं। दीप्ति ने 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 188 रन बनाए जबकि हरमनप्रीत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन की पारी खेली थी। हरमनप्रीत आयरलैंड सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। भारत के लिए प्रतिका और मंधाना ने दमदार शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट केल लिए 233 रन की पार्टनरशिप खेली। ये महिला वनडे में भारत की तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। मंधाना ने भी शतक ठोका। उन्होंने 80 गेंदों में 12 चौकों और 7 छक्कों के दम पर 135 रन बनाए। वह 27वें ओवर में ओर्ला प्रेंडरगैस्ट का शिकार बनीं। प्रतिका की पारी का अंत फ्रेया सार्जेंट ने 44वें ओवर में किया।

साधना पटेल पर दर्ज केस वापस लेने की तैयारी

लोकहित का दिया जा रहा हवाला, अवैध खनन को रोकने गई पुलिस टीम पर किया था हमला

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सतना जिले में अवैध खनन को रोकने गई पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में चित्रकूट नगर परिषद अध्यक्ष साधना पटेल को जल्द ही राहत मिल सकती है। लोक अभियोजन संचालनालय ने उन पर दर्ज एफआईआर को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मामला 17 जनवरी 2023 का है। पुलिस और प्रशासन की टीम सुरंगी गांव में रात को हो रहे अवैध खनन की शिकायत पर छापेमारी कर रही थी। टीम के कुछ लोगों को पकड़े जाने के बाद नगर परिषद अध्यक्ष साधना पटेल मौके पर पहुंचीं और विवाद शुरू हो गया। इस दौरान पटेल और उनके साथियों ने केवल टीम पर हमला किया। घटना का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें पटेल को पुलिसकर्मी पर चप्पल से हमला करते हुए देखा गया था।

प्रकरण वापसी की प्रक्रिया शुरू हुई: लोक अभियोजन संचालनालय ने 16 दिसंबर 2024 को जिला अभियोजन अधिकारी सतना से इस मामले में स्पष्ट अभिमत मांगा है। शासन स्तर से लोकहित का हवाला देते हुए प्रकरण वापसी की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिला स्तरीय समिति मामले का दोबारा परीक्षण करेगी और अपनी रिपोर्ट लोक अभियोजन संचालनालय को भेजेगी। जिला अभियोजन अधिकारी ज्योति जैन ने बताया कि संचालनालय से पत्र आया है जिसमें प्रकरण पर अभिमत मांगा गया है। चित्रकूट के नयागांव थाने से रिपोर्ट की कॉपी मांगी गई है।

यह होती है प्रक्रिया: लोक अभियोजन कार्यालय से प्रकरण वापसी को लेकर कलेक्टर, एसपी और जिला अभियोजन अधिकारी की समिति प्रकरण का परीक्षण करती है। इसके बाद अपनी रिपोर्ट लोक अभियोजन संचालनालय को भेजती है। जहां पर एक बार राज्य स्तरीय समिति इसका परीक्षण करती है। इसके बाद प्रकरण न्यायालय के समक्ष भेजा जाता है। जहां से सहमति होने पर प्रकरण वापस होता है।

योग्य अभ्यर्थियों को समय पर मिले प्रवेश : उप मुख्यमंत्री

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा और विभागीय विषयों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में 12वीं में हिंदी विषय न पढ़ने वाले अभ्यर्थियों के चयन में आई विसंगतियों का संज्ञान लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि इंडियन नर्सिंग काउंसिल के मानकों के अनुरूप आवश्यक प्रावधान कर इस समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को समय पर प्रवेश मिल सके। उन्होंने फार्मेसी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने केलिए फार्मेसी काउंसिल के नियमों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में विभागीय विषयों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन आयोग और लोक सेवा आयोग के माध्यम से चल रही विभागीय भर्ती प्रक्रियाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कैबिनेट स्वीकृत पदों की भर्ती की कार्यवाही निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही कैबिनेट अनुमोदन के लिए मेडिकल कॉलेजों में पे-प्रोटेक्शन का प्रावधान, तीन नवीन जिला चिकित्सालयों में पदों की स्वीकृति के प्रस्ताव की औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करने के लिये कहा। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रमुख सचिव संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल के.के. रावत सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अतीक हत्याकांड के आरोपी की मानसिक हालत बिगड़ी

चित्रकूट जेल से शिफ्ट किया गया आगरा, कई दिनों से चल रहा था इलाज

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड के आरोपी सनी सिंह को बुधवार को चित्रकूट जिला जेल से आगरा के मानसिक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। जेल प्रशासन के अनुसार, हमीरपुर निवासी सनी सिंह की मानसिक स्थिति पिछले कुछ समय से लगातार बिगड़ रही थी।

जेल अधिकारियों ने बताया कि सनी का इलाज चित्रकूट जिला कारागार में चल रहा था, लेकिन उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा था। इसी कारण उसे बेहतर इलाज के लिए आगरा के मानसिक अस्पताल भेजने का निर्णय लिया गया। सनी के दो अन्य साथी, जो इस हत्याकांड में शामिल थे, अभी भी चित्रकूट जेल में बंद हैं।

उल्लेखनीय है कि अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की हत्या ने पूरे देश में सनसनी फैला दी थी। इस मामले में आरोपियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर लगातार चिंताएं जताई जा रही हैं। इस विषय में अधिक जानकारी के लिए चित्रकूट जेल के अधीक्षक शशांक पांडे से संपर्क का प्रयास किया गया, परंतु वे उपलब्ध नहीं हो सके।

खराब रिजल्ट का विरोध, प्रिंसिपल को चूड़ियां पहनाने पहुंची छात्राएं, हिंदी में जीरो मार्क्स मिलने पर गर्ल्स कॉलेज में प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सतना के सरकारी गर्ल्स कॉलेज में गुरुवार को अभूतपूर्व घटना सामने आई, जब बीएससी और बीकॉम की छात्राएं खराब रिजल्ट के विरोध में प्रिंसिपल को चूड़ियां पहनाने पहुंच गईं। एनएसयूआई के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में छात्राएं ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंची थीं।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कॉलेज प्रशासन को पुलिस बुलाना पड़ी। सीएसपी महेंद्र सिंह और सिटी कोतवाली टीआई रावेंद्र द्विवेदी पुलिस बल के साथ पहुंचे। छात्राओं का मुख्य मुद्दा था कि हिंदी जैसे विषयों में उन्हें शून्य अंक मिले हैं।

प्रिंसिपल एपी पांडेय ने छात्राओं को यूनिवर्सिटी का हवाला देकर समझाने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित छात्राएं किसी भी तरह की बात सुनने को तैयार नहीं थीं।

कॉलेज प्रबंधन ने कहा- रीवा यूनिवर्सिटी की गलती: यह घटना एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव द्वारा दिए गए 15 दिनों के अल्टीमेटम की समय सीमा समाप्त होने के बाद हुई। इससे पहले भी कॉलेज में तालाबंदी की गई थी। सतना और मैहर जिलों के कई कॉलेजों में इसी मुद्दे को लेकर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि यह रीवा यूनिवर्सिटी की गलती है और छात्राओं के आवेदन यूनिवर्सिटी को भेजे जाएंगे।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और छात्राओं को प्रिंसिपल के कक्ष से बाहर निकाला गया।

यमुना रोड की हालत बिगड़ी

कीचड़ भरे सड़क से आने-जाने से लोग परेशान, दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा

मीडिया ऑडीटर, मऊ/चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट के मऊ में महिला पुल के निर्माण के बाद यमुना रोड की स्थिति गंभीर रूप से खराब हो गई है। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधीन आने वाली यह सड़क नगर पंचायत मऊ का प्रमुख संपर्क मार्ग है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ती है।

महिला पुल से बाबूलाल चौराहे तक करीब 500 मीटर की दूरी में दो महत्वपूर्ण मार्ग निकलते हैं। पहला मार्ग ब्लॉक मार्केट होकर सीधे हाईवे तक जाता है, जबकि दूसरा शिवपुर मोड़ से होकर राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ता है। महिला पुल के बनने से कौशांबी, इलाहाबाद और प्रतापगढ़ की दूरी कम होने के कारण इस मार्ग पर वाहनों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है।

सड़क की खस्ता हालत के कारण फिसलन की समस्या बनी रहती है, जिससे दुर्घटनाएं होने का खतरा बना रहता है। बढ़े हुए यातायात और टूटी सड़क के कारण जाम की स्थिति आम हो गई है। इसके अलावा, सड़क पर अतिक्रमण ने समस्या को और बढ़ा दिया है। स्थानीय नागरिकों में इस स्थिति को लेकर रोष व्याप्त है और वे सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग कर रहे हैं।

'जय श्री राम' बोलने पर छात्र को परीक्षा से रोका

स्कूल में धार्मिक नारे पर हंगामा, विवाद में चली बयानबाजी

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट के संत थॉमस स्कूल में एक विवादास्पद घटना ने तूल पकड़ लिया है। दसवीं कक्षा के छात्र हर्ष पांडे द्वारा 'जय श्री राम' का नारा लगाने के बाद उन्हें कथित तौर पर परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया। मामला तब और गंभीर हो गया जब छात्र के पिता को पुलिस को बुलाना पड़ा।

क्या है पूरा मामला: बताया जा रहा है कि, संत थॉमस स्कूल में पेपर देने आए 10वीं के छात्र हर्ष पांडे ने 'जय श्री राम' का नारा लगा दिया था। जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने उसे परीक्षा देने से मना कर दिया। जिसको लेकर स्कूल के पास लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई और धीरे-धीरे विवाद ने उग्र रूप ले लिया।

स्कूल प्रशासन और छात्र पक्ष के बीच विवाद की जड़ में अलग-अलग बयान सामने आए हैं। जहां छात्र के पिता का आरोप है कि उनके बेटे को धार्मिक नारे के कारण परीक्षा से रोका गया, वहीं स्कूल प्रिंसिपल का कहना है कि छात्र को 3 घंटे तक परीक्षा में बैठने दिया गया और उनके पिता को बुलाया गया था, लेकिन वे अभी तक स्कूल नहीं आए।

विवाद ने लिया राजनीतिक रंग: इस घटना ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष अनुज यादव ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। विद्यार्थी परिषद ने भी स्कूल प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और 'जय श्री राम' के नारे लगाए।

समाज के विभिन्न वर्गों में इस घटना को लेकर आक्रोश है। लोगों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। हालांकि, प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है। यह घटना शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक स्वतंत्रता और अनुशासन के बीच संतुलन के सवाल को भी उठाती है।

सुभाष चैलेंज कप में झांसी का जलवा

कानपुर को 80 रनों से हराया, संजय बने मैन ऑफ द मैच

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट में खेले जा रहे सुभाष चैलेंज कप के दूसरे सेमीफाइनल में झांसी ने कानपुर को 80 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए झांसी ने 25 ओवर में 6 विकेट खोकर 216 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

टीम की ओर से उत्कर्ष ने 44 गेंदों में 65 रन और संजय ने 55 गेंदों में 58 रन की शानदार पारियां खेलीं। कानपुर के गेंदबाज करन ने तीन और नीरज ने एक विकेट हासिल किया।

जवाब में कानपुर की टीम 24.1 ओवर में महज 136 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। झांसी के गेंदबाज संजय ने चार विकेट झटके, जबकि अनुज ने एक विकेट लिया। अपनी उत्कृष्ट बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए संजय को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

मैच की अंपायरिंग हैदर जहां और दिन्नी यादव ने की। जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथियों में ब्लॉक प्रमुख सुशील द्विवेदी, विवेक अग्रवाल और पंकज अग्रवाल शामिल थे। स्कोरर सौरभ नाहर और कॉमेंटेटर लोकेश सिंह, दीपक मिश्रा, अनुराग, आदेश, फिरोज अंसारी और रानू ने अपनी सेवाएं दीं। आज होने वाले फाइनल में झांसी की टीम का मुकाबला रायबरेली से होगा।

चोरी के पैसे बांटने को लेकर विवाद, दोस्त की हत्या, बड़े पत्थर से कुचला सिर, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सतना रेलवे स्टेशन परिसर के माल गोदाम के पास पैसों के बंटवारे को लेकर एक व्यक्ति ने अपने दोस्त की हत्या कर दी। जीआरपी चौकी प्रभारी राजेश राज के अनुसार, 35 वर्षीय रोहित उर्फ मुस्सू चौधरी और 27 वर्षीय जितेंद्र उर्फ जित्तू समुन्द्रे दोस्त थे। दोनों पहले माल गोदाम में पल्लेदारी का काम करते थे, लेकिन कुछ महीनों से इन्होंने चोरी करना शुरू कर दिया था। 12 जनवरी की रात दोनों ने चोरी का एक मोबाइल बेचा और शराब पी। इसके बाद बचे हुए पैसों के बंटवारे को लेकर विवाद करने लगे। इस बीच जितेंद्र ने गुस्से में रोहित के सिर पर पत्थर से वार कर दिया। जब रोहित गिर गया तो आरोपी ने पास पड़े बड़े पत्थर से उसका सिर कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सुबह घटना का पता चलने के बाद जीआरपी ने सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर जांच शुरू की और रेलवे कॉलोनी काली मंदिर के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

अगले 5 साल में रैगांव को विकसित विधानसभा क्षेत्र बनायेंगे : राज्यमंत्री

राज्यमंत्री ने किया 7 करोड 61 लाख रूपये के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने गुरूवार को रैगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पाकर, कतकोन कला तथा कचनार में 7 करोड 61 लाख 46 हजार रूपये के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें ग्राम पाकर से पिपरी ग्राम तक 298.82 लाख रूपये की लागत से बनने वाली 4 किमी लम्बाई की डामरीकृत सडक तथा पिपरी गांव के बीच सतना नदी में 2 करोड 84 लाख रूपये की लागत से पुल निर्माण कार्य, ग्राम कतकोन कला एवं बसुधा के बीच अमरन नदी में निर्मित कॉजवे स्टाप डैम में 42 लाख रूपये की लागत से पहुंच मार्ग एवं गेट निर्माण, ग्राम पंचायत कतकोन कला में भुलनी टोला से अहरी टोला तक 1 करोड 1 लाख रूपये की लागत से मिट्टी मुरूम के साथ पुलिया का निर्माण कार्य तथा गिंजारा-कचनार मार्ग में अमरन नदी में 35 लाख 64 हजार रूपये की लागत से कॉजवे स्टाप डैम में पहुंच मार्ग एवं गेट निर्माण कार्य शामिल है। इस मौके पर जनपद उपाध्यक्ष प्रेमकुमारी लोधी, जनपद सदस्य अनिल लोधी, राजमणि कुशवाहा, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, एसडीओ आरईएस मधु बागरी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सीमा लोधी, शंकरदीन पाण्डेय, द्वारिकेन्द्र बागरी, विष्णु पाण्डेय, धनंजय सिंह, सूरज सिंह, शिवेन्द्र सिंह, चन्द्रमोल प्रताप सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री बागरी ने कहा कि पुल, पुलिया और सडक बन जाने से गांव के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। रैगांव विधानसभा क्षेत्र में 122 ग्राम पंचायतें है। विकास कार्यों के लिए सभी ग्राम पंचायतों को राशि उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि तीव्र गति से गुणवत्तापूर्ण कार्य कराते हुए अगले 5 वर्ष में रैगांव को विकसित विधानसभा क्षेत्र बनाने का प्रयास किया जायेगा। सभी स्वीकृत निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कराये जायें। स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा ग्रामवासी कराये जा रहे कार्यों की सतत निगरानी करें। कार्य की गुणवत्ता में किसी भी तरह से समझौता नहीं किया जायेगा। जनप्रतिनिधियों या ग्रामवासियों से लापरवाही की सूचना मिलने पर संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों को सुगम तरीके से हितलाभ करें सुनिश्चित : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों को सुगम तरीके से हितलाभ सुनिश्चित किया जाये। उन्हें अनावश्यक तकलीफ़ें का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करती है और यह एक वरदान है। इसके विधिवत् क्रियान्वयन के लिए सतत निगरानी रखें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन और सशक्तीकरण कार्यों की समीक्षा की और समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। सीईओ आयुष्मान भारत योजना और संचालक (प्रोजेक्ट) स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग डॉ. योगेश भरसट ने उप मुख्यमंत्री को अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

वरिष्ठ नागरिकों के वयवंदना कार्ड की प्रगति में मध्यप्रदेश शीर्ष पर: उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में अब तक 4 करोड़ 20 लाख हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं और 38 लाख से अधिक उपचार सेवाओं से हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। वहीं, 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड (वयवंदना कार्ड) की प्रगति में मध्यप्रदेश शीर्ष पर है। अब तक मध्यप्रदेश में 12,11,527 वयवंदना कार्ड वितरित किए गए हैं। उज्जैन जिले में 68,573, इंदौर में 65,505, बालाघाट में 50,405, राजगढ़ में 44,560 और छिंदवाड़ा में 41,687 कार्ड वितरित किए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।